Teaching and Other Academic Posts
in
Central Sanskrit University, Delhi
&
its Recognized Institutions

Applicable for all Recruitments of teaching and other academic posts in CSU including the Advertisement No 04/2026
Dated: 10.06.2026

परीक्षा-पाठ्यक्रम
SYLLABUS FOR EXAM

CENTRAL SANSKRIT UNIVERSITY, DELHI
Established by an Act of Parliament
56-57, Institutional Area,
Janakpuri, New Delhi-110058
Website: www.sanskrit.nic.in

परीक्षा-पाठ्यक्रम
(SYLLABUS FOR EXAM)

अनुक्रमणिका
(Contents)

क्र.सं. S.N.	विषय: (Subject)	पृष्ठ-संख्या Page No.
	पाठ्यक्रम के विषय में निर्देश Instructions Regarding the Syllabus	2-5
	क्रम संख्या 1 से 14 तक के विषयों के प्रश्न पत्र के भाग 1 का पाठ्यक्रम Syllabus for Part - 1 of the Question Papers of Subjects Listed at Serial Numbers 1–14.	6
1.	साहित्यम् (भाग-2) Sahitya (Part - 2)	7
2.	व्याकरणम् (भाग-2) Vyakaran (Part - 2)	8
3.	वेद-पौरोहित्य-कर्मकाण्डम् (भाग-2) Veda, Paurohitya & Karmakand (Part - 2)	9
4.	सिद्धान्तज्योतिषम् (भाग-2) Jyotish Siddhanta (Part - 2)	10
5.	फलितज्योतिषम् (भाग-2) Jyotish Phalita (Part - 2)	11
6.	धर्मशास्त्रम् (भाग-2) Dharmashastra (Part - 2)	12
7.	मीमांसा (भाग-2)	13
8.	विधि: (भारतीयविधिशास्त्रम्) (भाग-2) LAW (Indian Jurisprudence) (Part - 2)	14-16
9.	न्यायशास्त्रम् (भाग-2) Nyaya (Part - 2)/ वैशेषिकम् (भाग-2) Vaisheshika (Part - 2)	17-18
10.	वेदान्त: (अद्वैतवेदान्त: / वेदान्तस्य अन्यशाखा:) (भाग-2) Vedanta - (Advaita Vedanta / other branches of Vedanta) (Part - 2)	19
11.	बौद्धदर्शनम् (भाग-2) Bauddha Darshan (Part - 2)	20
12.	शिक्षाशास्त्रम् (शिक्षा) (भाग-2) Shiksha Shastra (Education) (Part - 2)	21-24
13.	संगणकविज्ञानम् (भाग-2) Computer Science (Part - 2)	25-28
14.	योगविज्ञानम् (भाग-2)Yogic Sciences (Part - 2)	29-32
15.	हिंदी (भाग 1 एवं 2) Hindi (Part 1 & 2)	33-37
16.	अंग्रेजी (भाग 1 एवं 2) English (Part 1 & 2)	38-39
17.	सहायकनिदेशक: - शारीरिकशिक्षा क्रीडा च (भाग 1 एवं 2) Assistant Director of Physical Education and Sports (Part 1 & 2)	40-43
18.	सहायकपुस्तकालयाध्यक्ष: (भाग 1 एवं 2) Assistant Librarian (Part 1 & 2)	44-47

नोट - उपर्युक्त पदों/विषयों के अतिरिक्त, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा संचाल्यमान शैक्षणिक तथा अन्य शैक्षणिक पदों/विषयों के लिए आवश्यकतानुसार परीक्षा पाठ्यक्रम कालान्तर में यथासमय नोटिफिकेशन द्वारा सूचित किया जाएगा।

Note - For academic and other academic posts/subjects being offered by the Central Sanskrit University, Delhi, other than those mentioned above, the syllabus for the examination shall be notified separately, as and when required, through an appropriate notification.

पाठ्यक्रम के विषय में निर्देश

1. यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET) के सम्बन्धित विषयों के नवीनतम पाठ्यक्रम की संरचना पर सामान्यत: आधारित है। विश्वविद्यालय ने आवश्यकतानुसार भारतीय ज्ञान परम्परा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020, समकालीन शैक्षणिक आवश्यकताओं तथा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक अपेक्षाओं से सम्बन्धित कुछ घटकों का समावेशन करते हुए आवश्यक आंशिक परिशोधन किया है।
2. प्रश्नपत्रों का निर्माण निर्धारित पाठ्यक्रम, विषय-सम्बद्ध प्रमुख ग्रन्थों, भारतीय ज्ञान परम्परा, विषय की मूलभूत अवधारणाओं तथा समकालीन अकादमिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया जाएगा।
3. मानक–I (OMR आधारित परीक्षा) 100 अंकों की होगी तथा इसमें 50 बहुविकल्पात्मक प्रश्न (MCQs) होंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 अंकों का होगा तथा परीक्षा में ऋणात्मक अंकन नहीं (No Negative Marking) होगा। यह परीक्षा दो भागों (भाग–1 एवं भाग–2) में विभाजित होगी। भाग–1 में 15 बहुविकल्पात्मक प्रश्न (30 अंक) होंगे, जो भाषा-दक्षता (Language Proficiency) से सम्बन्धित प्रश्नों को छोड़कर सभी विषयों के लिए समान होंगे। भाग–2 में 35 बहुविकल्पात्मक प्रश्न (70 अंक) होंगे, जो सम्बन्धित विषय के निर्धारित विशिष्ट पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे। भाग–1 का प्रश्न-पत्र हिन्दी एवं अंग्रेज़ी (द्विभाषी) में होगा; तथापि, भाषा-दक्षता का मूल्यांकन करने वाले प्रश्न केवल सम्बन्धित भाषा में ही पूछे जाएँगे।
4. मानक–II (लिखित वर्णनात्मक परीक्षा) 100 अंकों की होगी, जिसमें 06 अनिवार्य दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 10 अंक) तथा 02 आन्तरिक विकल्पयुक्त वर्णनात्मक प्रश्न (प्रत्येक 20 अंक) होंगे। लिखित परीक्षा में केवल मानक–I के भाग–2 (सम्बन्धित विषय के निर्धारित विशिष्ट पाठ्यक्रम) से ही प्रश्न सम्मिलित किए जाएँगे। मानक–I के भाग–1 (सामान्य घटक) से कोई भी प्रश्न सम्मिलित नहीं किया जाएगा।
5. अंतिम शॉर्टलिस्टिंग स्कोर (Final Shortlisting Score) के निर्धारण के लिए, जहाँ लागू हो, UGC Regulations, 2018 की Table–3A के अनुसार निर्धारित शैक्षणिक अंक (जहाँ लागू हो) तथा मानक–I (OMR आधारित परीक्षा) एवं मानक–II (लिखित वर्णनात्मक परीक्षा) में प्राप्त अंकों को क्रमशः 30 : 35 : 35 के निर्धारित भारक्रम (Weightage) लागू करते हुए 100 अंकों के पैमाने पर रूपान्तरित (Scaled) किया जाएगा। मानक–I के भाग–2 के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम ही मानक–II के अंतर्गत आयोजित लिखित वर्णनात्मक परीक्षा का भी पाठ्यक्रम होगा।
6. क्रम संख्या 1 से 16 तक उल्लिखित विषयों, अर्थात् साहित्य, व्याकरण, वेद, पौरोहित्य एवं कर्मकाण्ड, ज्योतिष सिद्धान्त, ज्योतिष फलित, धर्मशास्त्र, मीमांसा, विधिशास्त्र, न्याय, वैशेषिक, वेदान्त, बौद्ध दर्शन, शिक्षाशास्त्र (शिक्षा), सहायक निदेशक (शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद), योग विज्ञान तथा संगणक विज्ञान के प्रश्नपत्र दो भागों में विभाजित होंगे। उपर्युक्त सभी विषयों के लिए भाग–1 (शिक्षण अभिवृत्ति, शोध अभिवृत्ति, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 तथा संस्कृत भाषा-दक्षता) समान होगा, जबकि भाग–2 सम्बन्धित विषय के विशिष्ट पाठ्यक्रम पर आधारित होगा।
7. क्रम संख्या 17 एवं 18 (हिन्दी एवं अंग्रेज़ी) के प्रश्नपत्रों के भाग–1 में शिक्षण अभिवृत्ति, शोध अभिवृत्ति, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 तथा सम्बन्धित भाषा-दक्षता से सम्बन्धित प्रश्न सम्मिलित होंगे, जबकि भाग–2 सम्बन्धित विषय के विशिष्ट पाठ्यक्रम पर आधारित होगा।
8. क्रम संख्या 19 (सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष) के प्रश्नपत्र के भाग–1 में शिक्षण अभिवृत्ति, शोध अभिवृत्ति, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 तथा संस्कृत, हिन्दी तथा अंग्रेज़ी भाषा-दक्षता से सम्बन्धित प्रश्न सम्मिलित होंगे। भाग–2 में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के साथ-साथ हस्तलेख विद्या, पुरालिपि (ब्राह्मी, शारदा एवं ग्रन्थ) तथा अभिलेखशास्त्र से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जा सकते हैं।
9. सभी विषयों के OMR आधारित प्रश्नपत्र के भाग–1 की माध्यम भाषा हिन्दी एवं अंग्रेज़ी होगी। जहाँ कहीं भाषा-दक्षता का मूल्यांकन किया जाना होगा, वहाँ सम्बन्धित भाषा से जुड़े प्रश्न उसी भाषा में पूछे जाएंगे।
10. OMR आधारित प्रश्न-पत्र के भाग–2 का माध्यम निम्नानुसार होगा:
    - 10.1. साहित्य, व्याकरण, वेद पौरोहित्य एवं कर्मकाण्ड, सिद्धान्त ज्योतिष, फलित ज्योतिष, धर्मशास्त्र, मीमांसा, न्याय, वैशेषिक, वेदान्त तथा बौद्ध दर्शन अथवा किसी भी परम्परागत/संस्कृत-संबद्ध विषय के लिए प्रश्न-पत्र की माध्यम भाषा केवल संस्कृत होगी।
    - 10.2. सहायक आचार्य विधि (भारतीय विधिशास्त्र), शिक्षाशास्त्र (शिक्षा), योगिक विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान, सहायक निदेशक (शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद), सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष अथवा किसी भी आधुनिक विषय के लिए प्रश्न-पत्र की माध्यम भाषा हिन्दी एवं अंग्रेज़ी होगी। तथापि, जहाँ संस्कृत भाषा-दक्षता से सम्बन्धित प्रश्न सम्मिलित किए जाएँगे, वे अनिवार्यतः संस्कृत में ही पूछे जाएँगे।
    - 10.3. हिन्दी, अंग्रेज़ी अथवा किसी राज्य भाषा (यथाप्रयोज्य) के विषयों के लिए प्रश्न-पत्र की माध्यम भाषा सम्बन्धित भाषा ही होगी।
11. लिखित परीक्षा में उत्तर लेखन का माध्यम निम्नानुसार होगा:
    - 11.1 साहित्य, व्याकरण, वेद पौरोहित्य एवं कर्मकाण्ड, सिद्धान्त ज्योतिष, फलित ज्योतिष, धर्मशास्त्र, मीमांसा, न्याय, वैशेषिक, वेदान्त तथा बौद्ध दर्शन अथवा किसी भी परम्परागत/संस्कृत-संबद्ध विषय के पदों के लिए सभी उत्तर अनिवार्यतः संस्कृत में लिखे जाएँगे।
    - 11.2 सहायक आचार्य विधि (भारतीय विधिशास्त्र), शिक्षाशास्त्र (शिक्षा), योगिक विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान, सहायक निदेशक (शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद), सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष अथवा किसी भी आधुनिक विषय के पदों के लिए अभ्यर्थी अपने उत्तर निम्नलिखित में से किसी एक भाषा में लिख सकेंगे— संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेज़ी।
    - 11.3 हिन्दी, अंग्रेज़ी अथवा किसी राज्य भाषा (यथाप्रयोज्य) के विषयों के लिए उत्तर केवल सम्बन्धित भाषा में ही लिखे जाएँगे।

12. प्रश्नपत्र का निर्माण निर्धारित पाठ्यक्रम के समग्र परिप्रेक्ष्य में किया जाएगा। प्रश्नों का चयन एवं वितरण विषयवस्तु की प्रकृति, शैक्षणिक महत्त्व, अधिगम प्रतिफलों (Learning Outcomes) तथा परीक्षा के उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए किया जाएगा। अतः पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई (Unit) से समान संख्या, समान भारांक अथवा समान अनुपात में प्रश्न सम्मिलित किया जाना अनिवार्य नहीं होगा और न ही यह अपेक्षित होगा कि प्रत्येक इकाई का प्रश्नपत्र में समान प्रतिनिधित्व हो।
13. जहाँ कहीं प्रश्नपत्र/निर्देश का द्विभाषिक संस्करण उपलब्ध होगा, वहाँ किसी भी प्रकार की अस्पष्टता अथवा व्याख्या सम्बन्धी विवाद की स्थिति में अंग्रेज़ी संस्करण अंतिम एवं प्रामाणिक माना जाएगा।
14. विश्वविद्यालय के पास पाठ्यक्रम में किसी भी विषयवस्तु (Topic) में आवश्यकतानुसार उचित संशोधन करने, जोड़ने, हटाने या पुनर्व्यवस्थित करने का अधिकार सुरक्षित है।

<u>विशेष ध्यातव्य</u>

(क) परीक्षा का विस्तृत विषयवार पाठ्यक्रम तथा चयन मानदण्ड एवं परीक्षा योजना (Selection Criteria and Scheme of Examination) https://sanskrit.nic.in/uploads/2026_07_31_Notification_Asst_Prof_SOE.pdf विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। अभ्यर्थियों को परीक्षा में सम्मिलित होने से पूर्व इनका सम्यक् अध्ययन कर सभी प्रासंगिक निर्देशों से भली-भाँति अवगत हो जाना चाहिए।

(ख) OMR आधारित परीक्षा तथा लिखित परीक्षा दोनों का पाठ्यक्रम सामान्यत: सम्बन्धित विषय के UGC-NET आधारित निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित होगा। विशेषत: लिखित परीक्षा में केवल सम्बन्धित विषय (भाग–2) से प्रश्न पूछे जाएंगे तथा OMR आधारित परीक्षा के अनिवार्य भाग–1 (सामान्य घटक) से कोई प्रश्न सम्मिलित नहीं होगा। मानक – I के भाग–2 के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम ही मानक – II के अंतर्गत आयोजित होने वाली लिखित वर्णनात्मक परीक्षा का भी पाठ्यक्रम होगा।

(ग) प्रश्नपत्र का निर्माण निर्धारित पाठ्यक्रम के समग्र परिप्रेक्ष्य में किया जाएगा। अतः भाग–2 की प्रत्येक इकाई (Unit) से समान संख्या, समान भारांक अथवा समान अनुपात में प्रश्न पूछे जाना अनिवार्य नहीं होगा।

(घ) केवल वे अभ्यर्थी, जो OMR आधारित परीक्षा एवं लिखित परीक्षा के संयुक्त स्कोर में निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करेंगे (UR/EWS अभ्यर्थियों के लिए 50% तथा SC/ST/OBC (NCL)/PwBD अभ्यर्थियों के लिए 45%), उन्हीं को निर्धारित भारांक (Weightage) लागू करते हुए अंतिम शॉर्टलिस्ट तैयार करने हेतु विचारणीय होंगे। इसमें, जहाँ लागू हो, UGC विनियम, 2018 के अंतर्गत तालिका 3A के अनुसार शैक्षणिक स्कोर (Academic Score) (जहाँ लागू हो) को भी सम्मिलित किया जाएगा।

(ङ) OMR आधारित परीक्षा, लिखित परीक्षा तथा शैक्षणिक अंक के निर्धारित भारक्रम के आधार पर Final Shortlisting Score तैयार किया जाएगा। इसी के आधार पर तथा विज्ञापित रिक्तियों की संख्या, आरक्षण रोस्टर एवं निर्धारित शार्टलिस्टिंग अनुपात के अनुसार अभ्यर्थियों की अंतिम शार्टलिस्ट तैयार की जाएगी।

(च) शार्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रारूप एवं समय-सीमा के अनुसार Video Presentation तथा PPT Presentation प्रस्तुत करनी होगी। इनके सम्बन्ध में विस्तृत दिशा-निर्देश पृथक रूप से विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित किए जाएंगे।

(छ) Video Presentation, PPT Presentation तथा अन्य शैक्षणिक गतिविधियों का उद्देश्य केवल विशेषज्ञ समिति (Expert Committee) को अभ्यर्थी की विषयगत समझ, अध्यापन क्षमता, अनुसंधान अभिरुचि, अभिव्यक्ति-कौशल एवं समग्र शैक्षणिक व्यक्तित्व के मूल्यांकन में सहायता प्रदान करना है। इन गतिविधियों के लिए कोई पृथक अंक निर्धारित नहीं हैं तथा इन्हें अंतिम चयन के अंकों में सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

(ज) OMR आधारित परीक्षा, लिखित परीक्षा, शैक्षणिक अंक (Academic Score) तथा अन्य मूल्यांकन घटक केवल साक्षात्कार प्रक्रिया को सुगम बनाने तथा चयन समिति को अभ्यर्थियों का समग्र मूल्यांकन करने में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किए जाएँगे। अंतिम चयन का आधार केवल साक्षात्कार में अभ्यर्थी का प्रदर्शन होगा। शॉर्टलिस्टिंग प्रक्रिया अथवा किसी भी मूल्यांकन घटक में प्राप्त अंक साक्षात्कार या अंतिम चयन हेतु न तो अग्रेषित (carry forward) किए जाएँगे और न ही उन पर विचार किया जाएगा।

(झ) किसी भी प्रकार की शंका, व्याख्यात्मक विवाद अथवा प्रक्रिया सम्बन्धी अस्पष्टता की स्थिति में Advertisement, Selection Criteria and Scheme of Examination, Syllabus for Examination तथा विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर आधिकारिक वेबसाइट पर जारी स्पष्टीकरण, संशोधन एवं निर्देशों का सामूहिक रूप से अध्ययन किया जाएगा तथा विश्वविद्यालय/सक्षम प्राधिकारी का निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होगा।

Instructions Regarding the Syllabus

1. This syllabus is generally based on the structure of the latest syllabus prescribed for the relevant subject(s) of the University Grants Commission National Eligibility Test (UGC-NET). Wherever considered necessary, the University has incorporated certain components of the Indian Knowledge System, the National Education Policy (NEP)-2020, contemporary academic requirements, and the academic expectations of the University, made such partial revisions as considered necessary.
2. The question papers shall be framed with due regard to the prescribed syllabus, major classical texts relevant to the concerned discipline, the Indian Knowledge System, fundamental concepts of the subject, and contemporary academic requirements.
3. Criterion–I (OMR-Based Examination) shall carry 100 marks and consist of 50 Multiple Choice Questions (MCQs) carrying 02 marks each, with no negative marking. It shall comprise Part–1 (15 MCQs, 30 marks), which shall be common to all subjects except the language proficiency component, and Part–2 (35 MCQs, 70 marks), which shall be based on the prescribed subject-specific syllabus. Part–1 shall be bilingual (Hindi and English); however, questions intended to assess language proficiency shall be set only in the respective language concerned.
4. Criterion–II (Written Descriptive Examination) shall carry 100 marks and consist of six (06) compulsory descriptive questions carrying 10 marks each and two (02) descriptive questions with internal choice carrying 20 marks each. The examination shall consist exclusively of questions from the prescribed syllabus of Part–2 of Criterion–I, and no question from Part–1 shall be included.
5. For the purpose of determining the Final Shortlisting Score, the Academic Score (wherever applicable) calculated in accordance with Table–3A of the UGC Regulations, 2018 (wherever applicable), and the marks obtained in Criterion–I (OMR-Based Examination) and Criterion–II (Written Descriptive Examination), shall be assigned the prescribed weightage of 30:35:35, respectively, after due scaling. The syllabus prescribed for Part–2 of Criterion–I shall also constitute the syllabus for the Written Descriptive Examination under Criterion–II.
6. For the subjects listed at Serial Numbers 1 to 16, namely Sahitya, Vyakarana, Veda Karmakanda & Paurohitya, Jyotisha Siddhanta, Jyotisha Phalita, Dharmashastra, Mimamsa, Vidhishastra, Nyaya, Vaisheshika, Vedanta, Bauddha Darshana, Shiksha Shastra (Education), Assistant Director of Physical Education & Sports, Yogic Sciences, and Computer Science, the question paper shall consist of two parts. Part–1 shall be common to all the above subjects and shall consist of Teaching Aptitude, Research Aptitude, Information and Communication Technology (ICT), National Education Policy (NEP)-2020, and Sanskrit Language Proficiency, whereas Part–2 shall be based on the prescribed subject-specific syllabus of the concerned subject.
7. For the subjects listed at Serial Numbers 17 and 18 (Hindi and English), Part-1 of the question paper shall contain questions relating to Teaching Aptitude, Research Aptitude, Information and Communication Technology (ICT), National Education Policy-2020, and language proficiency of the respective language, whereas Part-2 shall contain questions specific to the concerned subject.
8. For Serial Number 19 (Assistant Librarian), Part-1 of the question paper shall include questions relating to Teaching Aptitude, Research Aptitude, Information and Communication Technology (ICT), National Education Policy-2020, and proficiency in Sanskrit, Hindi, and English languages. Part–2 may include questions on Library and Information Science, as well as Manuscriptology, Palaeography (Brahmi, Sharada and Grantha Scripts), and Epigraphy.
9. For all subjects, Part-1 of the OMR Based Question Paper shall be bilingual, i.e., Hindi and English. Wherever language proficiency is to be assessed, the questions relating thereto shall be asked in the respective language concerned only.
10. The medium of Part–2 of the OMR Based Question Paper shall be as follows:
    - 10.1. For the subjects of Sahitya, Vyakarana, Veda Paurohitya & Karmakanda, Siddhanta Jyotisha, Phalita Jyotisha, Dharmashastra, Mimamsa, Nyaya, Vaisheshika, Vedanta and Bauddha Darshana or any traditional/Sanskrit related subjects, the medium of the question paper shall be Sanskrit only.
    - 10.2. For the posts of Assistant Professor Law (Indian Jurisprudence), Shiksha Shastra (Education), Yogic Sciences, Computer Science, Assistant Director (Physical Education & Sports) and Assistant Librarian or any modern subjects, the medium of the question paper shall be Hindi and English. However, wherever questions relating to Sanskrit language proficiency are included, they shall necessarily be asked in Sanskrit only.
    - 10.3. For the subjects of Hindi and English, or any state language (as applicable) the medium of the question paper shall be the respective subject language concerned.
11. The medium of writing answers in the Written Examination shall be as follows:
    - 11.1 For the posts of Sahitya, Vyakarana, Veda Paurohitya & Karmakanda, Siddhanta Jyotisha, Phalita Jyotisha, Dharmashastra, Mimamsa, Nyaya, Vaisheshika, Vedanta and Bauddha Darshana or any traditional/Sanskrit related subjects, all answers shall compulsorily be written in Sanskrit.
    - 11.2 For the posts of Assistant Professor Law (Indian Jurisprudence), Shiksha Shastra (Education), Yogic Sciences, Computer Science, Assistant Director (Physical Education & Sports) and Assistant Librarian or any modern subjects, candidates may write their answers in any one of the following languages: Sanskrit, Hindi, or English.
    - 11.3 For the subjects of Hindi and English or any state language (as applicable) answers shall be written only in the respective subject language concerned.

12. The question paper shall be framed with reference to the prescribed syllabus as a whole. The selection and distribution of questions shall be made keeping in view the nature of the subject matter, its academic significance, the intended Learning Outcomes, and the objectives of the examination. Accordingly, it shall neither be mandatory that each Unit of the syllabus carries an equal number of questions, equal weightage, or proportionate representation, nor shall it be construed that every Unit will necessarily receive equal representation in the question paper.
13. Wherever a bilingual version of the question paper/ instructions is available, the English version shall be treated as the final and authoritative text in the event of any ambiguity or dispute regarding interpretation.
14. The University reserves the right to modify, add, delete or rearrange any topic(s) in the syllabus, wherever considered necessary.

Important Notes

(a) The detailed subject-wise syllabus and the Selection Criteria and Scheme of Examination are available on the official website of the University at https://sanskrit.nic.in/uploads/2026_07_31_Notification_Asst_Prof_SOE.pdf. Candidates are advised to carefully go through these documents before appearing in the examination and familiarize themselves with all relevant instructions.

(b) The syllabus for both the OMR Based Examination and the Written Examination shall generally be based on the prescribed UGC-NET syllabus for the concerned subject. However, the Written Examination shall consist only of questions relating to the concerned subject (Part–2), and no question from the compulsory Part–1 (Common General Component) of the OMR Based Examination shall be included therein. The syllabus prescribed for Part–2 of Criterion–I shall also be the syllabus for the Written Descriptive Examination to be conducted under Criterion–II.

(c) The question paper shall be framed with reference to the prescribed syllabus as a whole. Accordingly, it shall not be mandatory that each Unit of Part–2 carries an equal number of questions, equal weightage, or proportionate representation.

(d) Only those candidates who secure the prescribed minimum qualifying marks in the combined score of the OMR Based Examination and the Written Examination (50% for UR/EWS candidates and 45% for SC/ST/OBC (NCL)/PwBD candidates) shall be considered for preparation of the final shortlist by applying the prescribed weightage, including the Academic Score (wherever applicable) under Table 3A of the UGC Regulations, 2018, wherever applicable.

(e) The Final Shortlisting Score shall be prepared by applying the prescribed weightage to the OMR Based Examination, Written Examination, and Academic Score (wherever applicable). The final shortlist for Interview shall thereafter be prepared on the basis of the notified vacancies, applicable reservation roster, and the prescribed shortlisting ratio.

(f) Candidates shortlisted for the Interview shall be required to submit a Video Presentation and make a PowerPoint (PPT) Presentation in the prescribed format and within the stipulated timeline. Detailed guidelines in this regard shall be notified separately on the official website of the University.

(g) The Video Presentation, PPT Presentation, and other academic activities are intended solely to facilitate the Expert Committee in comprehensively assessing the candidate's subject knowledge, teaching aptitude, research orientation, communication skills, and overall academic suitability. No separate marks shall be awarded for these activities, nor shall they form part of the final selection score.

(h) The OMR Based Examination, Written Examination, Academic Score (wherever applicable), and other assessment components are intended solely to facilitate the Interview by enabling the Selection Committee to undertake a comprehensive assessment of the candidates. The final selection shall be based exclusively on the candidate's performance in the face-to-face Interview. Marks obtained during the shortlisting process or under any assessment component shall not be carried forward or taken into account for the Interview or the final selection.

(i) In the event of any doubt, ambiguity, interpretational issue, or procedural difficulty, the Advertisement, Selection Criteria and Scheme of Examination, Syllabus for Examination, and all clarifications, corrigenda, modifications, and instructions issued by the University from time to time on its official website shall be read together. The decision of the University/Competent Authority shall be final and binding on all candidates.

अनुक्रमणिका की क्रम संख्या 1 से 14 तक उल्लिखित अधोलिखित विषयों के

भाग–1 का पाठ्यक्रम

साहित्य, व्याकरण, वेद-पौरोहित्य-कर्मकाण्ड, सिद्धान्त ज्योतिष, फलित ज्योतिष, धर्मशास्त्र, मीमांसा, विधि (भारतीय विधिशास्त्र), न्यायशास्त्र/वैशेषिक, वेदान्त (अद्वैत वेदान्त/ वेदान्त की अन्य शाखाएँ), बौद्ध दर्शन, शिक्षाशास्त्र (शिक्षा), संगणक विज्ञान तथा योग विज्ञान

कुल प्रश्न 15 **कुल अंक 30**

	पाठ्यक्रम	प्रश्न	अंक
1.	**शिक्षण अभिवृत्ति** • शिक्षण : अवधारणाएं, उद्देश्य, शिक्षण का स्तर (स्मरण शक्ति, समझ और विचारात्मक), विशेषताएं और मूल अपेक्षाएं • शिक्षार्थी की विशेषताएं - किशोर और वयस्क शिक्षार्थी की अपेक्षाएं (शैक्षिक, सामाजिक/ भावनात्मक और संज्ञानात्मक), व्यक्तिगत भिन्नताएँ • शिक्षण प्रभावक तत्त्व: शिक्षक, सहायक सामग्री, संस्थागत सुविधाएं, शैक्षिक वातावरण • उच्च अधिगम संस्थाओं में शिक्षण की पद्धति : अध्यापक केंद्रित बनाम शिक्षार्थी केंद्रित पद्धति, ऑफ लाइन बनाम ऑन-लाइन पद्धतियां (स्वयं, स्वयंप्रभा, मूक्स इत्यादि)। • शिक्षण सहायक प्रणाली - परंपरागत आधुनिक और आई सी टी आधारित। • मूल्यांकन प्रणालियां - मूल्यांकन के तत्त्व और प्रकार, उच्च शिक्षा में विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली में मूल्यांकन, कंप्यूटर आधारित परीक्षा, मूल्यांकन पद्धतियों में नवाचार।	3	6
2.	**शोध अभिवृत्ति** • शोध - अर्थ, प्रकार और विशेषताएँ, प्रत्यक्षवाद एवं उत्तरप्रत्यक्षवाद शोध के उपागम। • शोध पद्धतियाँ - प्रयोगात्मक, विवरणात्मक, ऐतिहासिक, गुणात्मक एवं मात्रात्मक। • शोध के चरण। • शोध प्रबंध एवं आलेख लेखन - फॉर्मेट और संदर्भ की शैली। • शोध में आई.सी.टी. का अनुप्रयोग। • शोध नैतिकता।	3	6
3.	**सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.)** • आई.सी.टी. - सामान्य संकल्पनाएँ और शब्दावली। • इंटरनेट, इंट्रानेट, ई–मेल, श्रव्य–दृश्य कॉन्फ्रेंसिंग की मूलभूत बातें। • उच्च शिक्षा में डिजिटल पहलें। • आई.सी.टी. और सुशासन।	3	6
4.	**राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020**	3	6
5.	**संस्कृत भाषा दक्षता** • कारकम् • वाच्यपरिवर्तनम् • शब्दरूपाणि धातुरूपाणि च	3	6

नोट - उपर्युक्त पाठ्यक्रम के भाग–1 के बिन्दु संख्या 1 से 4 के अंग्रेज़ी संस्करण हेतु पृष्ठ संख्या 35 का संदर्भ लिया जा सकता है।

The English version of Points 1 to 4 of Part–I of the above syllabus may be referred to on Page 35.

भाग -2
साहित्यम्

प्रश्नाः – 35 **अङ्काः - 70**

पाठ्यक्रम:

Unit–1 : संस्कृतसाहित्यस्य इतिहासः

- काव्यशास्त्रस्येतिहासः
- काव्यशास्त्रीयसम्प्रदायाः
- वैदिक-लौकिक-आधुनिकसंस्कृतसाहित्यस्य विकासः
- प्रमुखकवयः साहित्यकाराः च

Unit–2 : पद्यसाहित्यम्

- बुद्धचरितम् (प्रथमसर्गः)
- रघुवंशम् (प्रथमसर्गः)
- किरातार्जुनीयम् (प्रथमसर्गः)
- शिशुपालवधम् (प्रथमसर्गः)
- नैषधीयचरितम् (प्रथमसर्गः)

Unit–3 : नाट्यसाहित्यम्

- स्वप्नवासवदत्तम् (प्रथमोऽङ्कः)
- अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थोऽङ्कः)
- वेणीसंहारम् (प्रथमोऽङ्कः)
- मुद्राराक्षसम् (प्रथमोऽङ्कः)
- उत्तररामचरितम् (प्रथमोऽङ्कः)
- रत्नावली (प्रथमोऽङ्कः)
- मृच्छकटिकम् (प्रथमोऽङ्कः)

Unit–4 : गद्यसाहित्यम्

- दशकुमारचरितम् (अष्टम-उच्छ्वासः)
- हर्षचरितम् (पञ्चम-उच्छ्वासः)
- कादम्बरी (शुकनासोपदेशः)

Unit–5 : काव्यशास्त्रम्

- साहित्यदर्पणम्- काव्यलक्षणम्, काव्यभेदाः, शब्दशक्तयः
- काव्यप्रकाशः- काव्यप्रयोजनम्, काव्यहेतुः, वृत्तिविचारः, रसस्वरूपम्

Unit–6 : रसध्वनिसिद्धान्ताः

- रससूत्रम्, रसविमर्शः, रसदोषाः
- ध्वन्यालोकः (प्रथमोद्योतः)
- वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथमोन्मेषः)

Unit–7 : अलङ्कारशास्त्रम्

- शब्दालङ्काराः अर्थालङ्काराश्च
- उपमा, रूपकम्, उत्प्रेक्षा, श्लेषः, अनुप्रासः, यमकः, समासोक्तिः, निदर्शना, दृष्टान्तः, व्यतिरेकः, विशेषोक्तिः, स्वभावोक्तिः, विरोधाभासः, सङ्करः, संसृष्टिः

Unit–8 : नाट्यशास्त्रम्

- भरतस्य नाट्यशास्त्रम् (द्वितीयः षष्ठश्च अध्यायः)
- दशरूपकम् (प्रथमः तृतीयश्च प्रकाशः)
- रूपकभेदाः, नायक-नायिकाविचारः, अभिनयः, रस-भावविचारः

Unit–9 : छन्दः साहित्यमीमांसा च

- छन्दांसि - मालिनी, स्रग्धरा, शार्दूलविक्रीडितम्, मन्दाक्रान्ता, वसन्ततिलका, शिखरिणी, भुजङ्गप्रयातम्
- साहित्यस्य तत्त्वमीमांसा, काव्यसमालोचना, भारतीयकाव्यशास्त्रस्य प्रमुखसिद्धान्ताः

Unit–10 : वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये संस्कृतसाहित्यम्

- वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये साहित्योपयोगः
- संस्कृतसाहित्यस्य वैश्विकप्रासङ्गिकता
- भाव्यनुसन्धानचिन्तनम्
- संस्कृतसाहित्ये नवप्रवृत्तयः अनुसन्धानस्य दिशश्च

भाग -2
व्याकरणम्

प्रश्नाः – 35 **अङ्काः - 70**

पाठ्यक्रमः

Unit 1 : पाणिनीयव्याकरणस्य परिचयः

- व्याकरणस्य स्वरूपम्, प्रयोजनम् इतिहासश्च
- पाणिनीयव्याकरणपरम्परा
- अष्टाध्याय्याः स्वरूपं संरचना च
- प्रमुखवैयाकरणाः-पाणिनिः, कात्यायनः, पतञ्जलिः, भर्तृहरिः, भट्टोजिदीक्षितः, नागेशभट्टः

Unit 2 : वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (प्रौढमनोरमा-लघुशब्देन्दुशेखरसहिता)

- सञ्ज्ञाप्रकरणम्
- अच्सन्धिप्रकरणम्
- हल्सन्धिप्रकरणम्

Unit 3 : समास-कारकप्रकरणे वाच्यपरिवर्तनं च (वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी)

- समासप्रकरणम्
- कारकप्रकरणम्
- वाच्यपरिवर्तनम्

Unit 4 : प्रत्ययप्रकरणम्

- कृत्प्रत्ययाः
- स्त्रीप्रत्ययाः
- मत्वर्थीयप्रत्ययाः

Unit 5 : तिङन्तप्रकरणम्

- परस्मैपदविधानम्, आत्मनेपदविधानम् (सिद्धान्तकौमुद्यनुसारम्)
- तिङन्तरूपसिद्धिः-भू, एध्, अद्, अस्, हु, दिव्, षुञ्, तुद्, तन्, कृ, रुध्, क्रीञ्, चुर् – धातूनां रूपसिद्धिः
- लकारार्थविधानम्

Unit 6 : महाभाष्यम्

- पस्पशाह्निकम्
- शब्दपरिभाषा शब्दार्थसम्बन्धः च
- व्याकरणस्य परिभाषा
- व्याकरणाध्ययनस्य उद्देश्यानि
- साधुशब्दप्रयोगस्य परिणामः

Unit 7 : वाक्यपदीयम्

- वाक्यपदीयस्य काण्डत्रयस्य परिचयः
- शब्दब्रह्मस्वरूपम्
- शब्दब्रह्मणः शक्तयः
- शब्दार्थसम्बन्धः
- स्फोटस्वरूपम्
- स्फोटध्वनिसम्बन्धः

Unit 8 : वैयाकरणभूषणसारः

- धात्वर्थप्रकरणम्
- नामार्थप्रकरणम्
- सुबर्थप्रकरणम्

Unit 9 : परमलघुमञ्जूषा

- शक्तिः
- लक्षणा
- व्यञ्जना
- शाब्दबोधस्य सहकारिकारणानि

Unit 10 : वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये व्याकरणम्

- वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये व्याकरणोपयोगः
- सङ्गणकीयं व्याकरणं संस्कृतभाषाप्रौद्योगिकी च
- भाव्यनुसन्धानचिन्तनम्
- व्याकरणशास्त्रे समकालिकानुसन्धानस्य नवीनाः प्रवृत्तयः

भाग -2

वेद-पौरोहित्य-कर्मकाण्डम्

प्रश्नाः – 35 **अङ्काः - 70**

पाठ्यक्रम:

Unit 1 : वैदिकसाहित्यस्य सामान्यपरिचयः

- वैदिकसाहित्यस्य स्वरूपम्, विभागाः, विकासश्च।
- वेदानां कालविमर्शः - भारतीयपरम्परागतदृष्टिः, मैक्समूलरः, ए. वेबरः, जैकोबी, एम्. विन्टरनिट्ज्, लोकमान्यतिलकः
- वेदानां संहिताभागस्य प्रमुखभाष्याणां च सामान्यपरिचयः।
- वेदाङ्गानि- शिक्षा, कल्पः, व्याकरणम्, निरुक्तम्, छन्दः, ज्योतिषम्।

Unit 2 : संहितासाहित्यम्

- ऋग्वेद-यजुर्वेद-सामवेद-अथर्ववेदसामान्यपरिचयः।
- ऋग्वेदः - अग्निसूक्तम् (1.1), वरुणसूक्तम् (1.25), इन्द्रसूक्तम् (2.12), पुरुषसूक्तम् (10.90), हिरण्यगर्भसूक्तम् (10.121), वाक्सूक्तम् (10.125), नासदीयसूक्तम् (10.129) ।
- शुक्लयजुर्वेदः - शिवसङ्कल्पसूक्तम् (अध्यायः 34, मन्त्राः 1–6)।
- कृष्णयजुर्वेदः - पुरुषसूक्तम् (तैत्तिरीय-आरण्यकम्, 3.12) ।
- सामवेदः - पूर्वार्चिके पावमानं पर्व (5.1) ।
- अथर्ववेदः - राष्ट्राभिवर्धनसूक्तम् (1.29), पृथिवीसूक्तम् (12.1)।

Unit 3 : ब्राह्मण-आरण्यक-उपनिषत्साहित्यम्

- ब्राह्मण-आरण्यक-उपनिषत्साहित्यस्य सामान्यं स्वरूपम्, भेदाः, प्रमुखप्रतिपाद्यविषयाश्च।
- शुनःशेपाख्यानम्, वाङ्मनसोः आख्यानम्, नारद-सनत्कुमारसंवादः।

Unit 4 : वैदिकस्वर-छन्दः

- गायत्री, उष्णिक्, अनुष्टुप्, बृहती, पङ्क्तिः, त्रिष्टुप्, जगतीच्छन्दांसि।
- वैदिकपाठपद्धतिः, त्रैस्वर्यप्रदर्शनम्, स्वरितभेदाः, विवृत्तिः, स्वरभक्तिः।

Unit 5 : निरुक्तं निर्वचनशास्त्रं च

- निरुक्तम् (प्रथम-द्वितीयाध्यायौ)।
- चत्वारि पदानि- नाम-आख्यात-उपसर्ग-निपातः। उपसर्गाणामर्थाः, निपातानां वर्गीकरणम्।
- निरुक्ताध्ययनस्य प्रयोजनानि निर्वचनसिद्धान्ताः च ।
- देवतास्वरूपविचारः, षड्भावविकाराश्च।

Unit 6 : वैदिकशब्दव्युत्पत्तिः

- निघण्टोः स्वरूपम्, रचना उपयोगश्च।
- आचार्य, वीर, गो, समुद्र, वृत्र, आदित्य, उषस्, मेघ, वाक्, उदक, नदी, अग्नि, जातवेदस्, वैश्वानर इत्येतेषां व्युत्पत्तिः।

Unit 7 : कर्मकाण्डः

- श्रौतयागाः स्मार्तकर्माणि च - अग्न्याधानम्, अग्निहोत्रम्, दर्शपूर्णमासः, अग्निष्टोमः, सप्त पाकयज्ञाश्च ।
- पञ्च महायज्ञाः षोडश संस्काराः च।
- गृह्यकर्माणि प्रमुखहोमाः च - अग्निहोत्रम्, अग्निष्टोमः, दर्शपूर्णमासयज्ञः कूष्माण्डहोमः च।
- नित्य-नैमित्तिक-काम्यकर्माणि।

Unit 8 : पौरोहित्यशास्त्रम्

- पौरोहित्यस्य स्वरूपम्, महत्त्वम्, पुरोहितस्य कर्तव्यानि।
- सङ्कल्पः, पुण्याहवाचनम्, देवपूजाविधिः, होमविधिः, पञ्चाङ्गपूजनम्, विवाह-उपनयन-गृहप्रवेशादीनां पौरोहित्यप्रयोगाः।

Unit 9 : वैदिकदर्शनम्

- वैदिकसंस्कृतिः – जीवनमूल्यानि दार्शनिकाधाराश्च।
- वैदिकदृष्ट्या पर्यावरणम्, समाजः, मानवमूल्यानि।

Unit 10 : वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये वेदः, कर्मकाण्डं पौरोहित्यं च

- वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये वेदस्य कर्मकाण्डस्य च उपयोगिता सामाजिक-सांस्कृतिकप्रासङ्गिकता च।
- भाव्यनुसन्धानचिन्तनम्।

भाग -2
सिद्धान्तज्योतिषम्

प्रश्नाः – 35 **अङ्काः - 70**

पाठ्यक्रम:

Unit 1 : सिद्धान्तज्योतिषस्य परिचयः

- ज्योतिषशास्त्रस्य स्वरूपम्, प्रयोजनम्, इतिहासः
- वेदाङ्गज्योतिषस्य परिचयः
- प्रमुखाचार्याः-लगधः, आर्यभटः, वराहमिहिरः, ब्रह्मगुप्तः, भास्कराचार्यः

Unit 2 : कालमानम्

- कालमानम्
- अहोरात्रम्, तिथि, वारः, पक्षः, मासः, ऋतुः, अयनम्, संवत्सरः
- नवविधकालमानम्

Unit 3 : गोलाध्यायः

- भूगोलः, खगोलः
- पृथिव्याः गतिः
- दिक्, अक्षांशः, देशान्तरम्
- अयनचलनम्

Unit 4 : ग्रहविचारः

- नवग्रहाः
- अष्टधा ग्रहगतिः
- उच्च-नीचस्थानम्
- ग्रहणविचारः

Unit 5 : नक्षत्र-राशिविचारः

- सप्तविंशतिनक्षत्राणि
- राशिचक्रम्
- नक्षत्रराशिसम्बन्धः

Unit 6 : गणितज्योतिषम्

- अहर्गणः
- स्पष्टग्रहः
- पञ्चाङ्गनिर्माणस्य आधाराः
- ग्रहस्थितिनिर्णयः

Unit 7 : पञ्चाङ्गविचारः

- तिथिः
- वारः
- नक्षत्रम्
- योगः
- करणम्

Unit 8 : सिद्धान्तग्रन्थाः

- वेदाङ्गज्योतिषम्
- सूर्यसिद्धान्तः
- आर्यभटीयम्
- पञ्चसिद्धान्तिका

Unit 9 : ज्योतिषस्य वैज्ञानिकाधारः

- भारतीयखगोलपरम्परा
- ज्योतिषस्य गणितीयाधारः
- आधुनिकखगोलशास्त्रेण तुलनात्मकविमर्शः

Unit 10 : वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये सिद्धान्तज्योतिषम्

- वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये ज्योतिषोपयोगः
- पञ्चाङ्गस्य समकालिकप्रासङ्गिकता
- भाव्यनुसन्धानचिन्तनम्

भाग -2
फलितज्योतिषम्

प्रश्नाः - 35 **अङ्काः - 70**

पाठ्यक्रमः

Unit 1 : फलितज्योतिषस्य परिचयः

- फलितज्योतिषस्य स्वरूपम्, प्रयोजनम्, इतिहासः
- प्रमुखाचार्याः तेषां ग्रन्थाश्च - पराशरः, वराहमिहिरः, कल्याणवर्मा, वैद्यनाथः, मन्त्रेश्वरः

Unit 2 : राशिविचारः

- द्वादशराशयः
- राशिस्वभावः
- राश्यधिपतयः
- राशिगुणाः

Unit 3 : ग्रहविचारः

- नवग्रहस्वरूपम्
- ग्रहबलम्
- ग्रहदृष्टयः
- ग्रहावस्थाः
- उच्च-नीच-ग्रहमैत्रीविचार:

Unit 4 : नक्षत्रविचारः

- नक्षत्रस्वरूपं नक्षत्राधिपतयश्च
- जन्मनक्षत्रम्
- नक्षत्रफलम्

Unit 5 : भावविचारः

- द्वादशभावाः
- भावकारक:
- भावफलानि
- भावाधिपतिविचारः

Unit 6 : कुण्डलीविचारः

- जन्मकुण्डली
- षड्-वर्गकुण्डली
- लग्नविचारः
- योगविचारः

Unit 7 : दशा-गोचरविचारः

- विंशोत्तरीदशा
- अन्तर्दशा
- गोचरफलम्
- अष्टकवर्गस्य परिचयः

Unit 8 : मुहूर्त-प्रश्नज्योतिषम्

- मुहूर्तनिर्णयः
- विवाहादिमुहूर्ताः
- प्रश्नज्योतिषस्य परिचयः
- शकुनविचारस्य सामान्यपरिचयः

Unit 9 : फलितज्योतिषस्य प्रमुखग्रन्थाः

- बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम्
- बृहज्जातकम्
- सारावली
- फलदीपिका
- जातकपारिजातः
- जैमिनीयसूत्रम्

Unit 10 : वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये फलितज्योतिषम्

- वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये फलितज्योतिषोपयोगः
- आधुनिकयुगे संहिता- ज्योतिषोपयोग:
- ज्योतिषस्य सामाजिक-नैतिकपक्षः
- भाव्यनुसन्धानचिन्तनम्

भाग -2
धर्मशास्त्रम्

प्रश्नाः - 35 **अङ्काः - 70**

पाठ्यक्रम:

Unit 1 : धर्मशास्त्रस्य परिचयः

- धर्मशास्त्रस्य स्वरूपम्, प्रयोजनम्, इतिहासः।
- धर्मस्य संकल्पना वर्गीकरणं च।
- धर्मस्रोतांसि-श्रुतिः, स्मृतिः, सदाचारः, आत्मनस्तुष्टिः।
- प्रमुखधर्मशास्त्रकाराः-मनुः, याज्ञवल्क्यः, नारदः, पराशरः, बृहस्पतिः, कात्यायनः।

Unit 2 : स्मृतिसाहित्यम्

- प्रमुखस्मृतिग्रन्थानां परिचयः।
- मनुस्मृतिः, याज्ञवल्क्यस्मृतिः, नारदस्मृतिः, पराशरस्मृतिः।
- स्मृतीनां रचना, विषयविस्तारः, सामाजिकप्रासङ्गिकता।

Unit 3 : आचारविमर्शः

- आचारस्य स्वरूपम्।
- वर्णाश्रमधर्माः।
- संस्काराः, सदाचारः, दैनिककर्तव्यानि।
- धर्माचारस्य सामाजिकमहत्त्वम्।

Unit 4 : व्यवहारविमर्शः

- व्यवहारस्य स्वरूपम्।
- न्यायव्यवस्था।
- राजधर्मः।
- विवादविचारः, साक्ष्यप्रमाणानि, दण्डविधानम्।

Unit 5 : प्रायश्चित्तविमर्शः

- प्रायश्चित्तस्य स्वरूपम्।
- प्रायश्चित्तभेदाः।
- पातकविचारः।
- प्रायश्चित्तविधानम्।

Unit 6 : श्राद्धविमर्शः

- श्राद्धस्य स्वरूपं महत्त्वं च।
- श्राद्धभेदाः।
- पितृयज्ञः।
- श्राद्धविधिः तर्पणप्रक्रिया च।

Unit 7 : मनुस्मृतिः

- मनुस्मृतेः प्रमुखसिद्धान्ताः।
- प्रथमोऽध्यायः, द्वितीयोऽध्यायः, सप्तमोऽध्यायः, अष्टमोऽध्यायश्च

Unit 8 : अर्थशास्त्रं राजधर्मश्च

- अर्थशास्त्रस्य परिचयः।
- कौटिलीयार्थशास्त्रम्।
- राज्यव्यवस्था।
- प्रशासनम्, दण्डनीतिः, वित्तव्यवस्था।

Unit 9 : कालविमर्श:

- कालनिर्णय:
- तिथिनिर्णय:
- व्रतपर्वनिर्णय:

Unit 10 : वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये धर्मशास्त्रम्

- वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये धर्मशास्त्रस्योपयोगः।
- धर्मशास्त्रस्य मानवमूल्येषु योगदानम्।
- धर्मशास्त्रे समकालिकानुसन्धानस्य प्रवृत्तयः।
- भाव्यनुसन्धानचिन्तनम्।

भाग -2
मीमांसा

प्रश्नाः - 35 **अङ्काः - 70**

पाठ्यक्रम:

Unit 1 : मीमांसाशास्त्रस्य परिचयः

- मीमांसाशब्दस्य व्युत्पत्ति: स्वरूपं च ।
- मीमांसाशास्त्रस्य उद्देश्यम्, प्रयोजनं च ।
- मीमांसाशास्त्रस्य प्रमुखाचार्या: तेषां ग्रन्था: च।

Unit 2 : धर्मस्वरूपं प्रमाणानि च (लौकिकानि अलौकिकानि च)

- चोदनायाः प्रामाण्यम् ।
- प्रत्यक्षादिप्रमाणानि ।
- निरालम्बनवाद-शून्यवाद-अपोहवादानां निरूपणं, तेषां खण्डनम् ।
- आकृतिवादः ।

Unit 3 : विधिविमर्शः

- विधेः प्रकाराः ।
- उत्पत्त्यादिविधिभेदाः, अपूर्वादिविधिभेदाश्च ।
- अर्थवाद-मन्त्र-नामधेयानां प्रामाण्यविमर्श: ।

Unit 4 : भावनाविमर्शः

- भावनायाः स्वरूपं तद्भेदाश्च ।
- आख्यातार्थविचारः, विध्यर्थनिरूपणं च ।
- भावनामुख्यविशेष्यकशाब्दबोधविमर्शः ।

Unit 5 : वाक्यार्थविचारः

- शब्दनित्यत्वविमर्शः ।
- शब्दार्थसम्बन्धः ।
- वाक्यार्थनिर्णयः ।
- अभिहितान्वयवादः, अन्विताभिधानवादश्च ।
- लक्षणा-गौणीविचारः ।

Unit 6 : प्रामाण्यवादः

- प्रामाण्यवादे मतान्तरनिरूपणं खण्डनञ्च ।
- वेदापौरुषेयत्वसाधनम् ।
- सृष्टि-प्रलयविज्ञानविवेचनम् ।

Unit 7 : पदार्थविमर्शः

- भाट्टप्राभाकरसम्मतपदार्थविवेक:
- ख्यातिवादः (अख्यातिः)।
- तमोवाद-मनोवाद-आत्मवादविमर्श:
- अपूर्वसिद्धान्तः, ज्ञान-कर्म-समुच्चयवादः।

Unit 8 : विभक्त्यर्थाः

- कर्तृकारकम्, कर्मकारकम्, करणकारकम्, सम्प्रदानकारकम्, अपादानकारकम्, अधिकरणकारकम् ।

Unit 9 : अतिदेशषट्कविमर्शः

- सामान्य-विशेषातिदेशौ ।
- ऊहः, बाधः, प्रतिषेधः, पर्युदासश्च ।

Unit 10 : वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये मीमांसाशास्त्रस्य उपादेयता ।

- वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये विधिविज्ञाने भाषाविज्ञाने धर्मशास्त्रे शास्त्रान्तरेषु च मीमांसान्यायानां सञ्चारविमर्शः ।
- भाव्यनुसन्धानचिन्तनम् ।
- मीमांसाशास्त्रे समकालिकानुसन्धानस्य प्रवृत्तयः।

भाग -2

विधि: (भारतीयविधिशास्त्रम्)

LAW (Indian Jurisprudence)

प्रश्नाः - 35 **अङ्काः - 70**

पाठ्यक्रम:

Unit – 1 (A): भारतीय न्याय संहिता, 2023

1. अवधारणा, संरचना, प्रमुख उपबंध तथा भारतीय दण्ड संहिता (IPC) 1860 के साथ तुलनात्मक अध्ययन।

Unit -1 (B): विधिशास्त्र

1. विधि के स्रोत एवं प्रकार
2. विधिशास्त्र की शाखाएं
3. विधि और नैतिकता
4. अधिकार एवं कर्तव्य की संकल्पानाएं
5. विधिक व्यक्तित्व
6. सम्पत्ति, स्वामित्व एवं कब्जे की अवधारणा
7. दायित्व की संकल्पना
8. विधि, गरीबी एवं विकास
9. वैश्विक न्याय
10. आधुनिकतावाद एवं उत्तर आधुनिकतावाद

Unit -2 संवैधानिक एवं प्रशासनिक विधि

1. उद्देशिका, मौलिक अधिकार तथा कर्तव्य, राज्य की नीति निदेशक तत्व
2. संघ और राज्य कार्यपालिका तथा उनमें पारस्परिक सम्बन्ध
3. संघ और राज्य विधायकाएँ और विधायी शक्तियों का वितरण
4. न्यायपालिका
5. आपातकालीन उपबन्ध
6. कुछ राज्यों के सम्बन्ध में अस्थायी, संक्रमण कालीन तथा विशेष उपबन्ध
7. भारत का निर्वाचन आयोग
8. प्रशासनिक विधि की प्रकृति, विस्तार क्षेत्र एवं महत्त्व
9. नैसर्गिक न्याय का सिद्धान्त
10. प्रशासनिक कृत्य का न्यायिक पुनरीक्षण-आधार

Unit -3 लोक अन्तर्राष्ट्रीय विधि एवं अन्तर्राष्ट्रीय मानवता विधि

1. अन्तर्राष्ट्रीय विधि - परिभाषा, स्वरूप तथा आधार
2. अन्तर्राष्ट्रीय विधि के स्रोत
3. राज्यों एवं सरकारों की मान्यता
4. राष्ट्रीय, अप्रवासी, शरणार्थी तथा आन्तरिक रूप में विस्थापित व्यक्ति
5. प्रत्यर्पण और शरण
6. संयुक्त राष्ट्र तथा इसके अंग
7. अन्तर्राष्ट्रीय विवादों का निपटारा
8. विश्व व्यापार संगठन
9. अन्तर्राष्ट्रीय मानवता विधि (आई.एच.एल), कन्वेंशन्स तथा प्रोटोकॉल्स
10. आई.एच.एल. का कार्यान्वयन– चुनौतियाँ

Unit -4 अपराध विधि

1. आपराधिक दायित्व के सामान्य सिद्धान्त, एक्टस रस्स तथा मेन्सरिया, व्यक्ति और समूह के दायित्व, रचनात्मक दायित्व
2. अपराध के चरण और इनकोहेट अपराध प्रयत्न, उत्प्रेरण तथा आपराधिक षड्-यन्त्र
3. सामान्य अपवाद
4. शरीर के विरूद्ध अपराध

5. राज्य के विरूद्ध अपराध तथा आतंकवाद
6. सम्पत्ति के विरूद्ध अपराध
7. महिलाओं और बच्चों के विरूद्ध अपराध
8. मादक औषधि व्यापार एवं कुटरचना
9. लोक शान्ति के विरूद्ध अपराध
10. दण्ड के प्रकार और सिद्धान्त, अपराध पीडित व्यक्ति की क्षतिपूर्ति

Unit -5 अपकृत्य विधि एवं उपभोक्ता संरक्षण

1. अपकृत्य का स्वरूप एवं परिभाषा
2. अपकृत्य दायित्व के सामान्य सिद्धान्त
3. सामान्य बचाव
4. विशेष अपकृत्य - उपेक्षा, उपताप, अतिचार, मानहानि
5. क्षति की दूरस्थता
6. कठोर और पूर्ण दायित्व
7. राज्य का अपकृत्व दायित्व
8. अपभोक्ता संक्षरण अधिनियम 1986, परिभाषा, उपभोक्ता के अधिकार निवारण तंत्र
9. मोटर यान अधिनियम, 1998 त्रुटि हीनता दायित्व, तृतीय पक्षकार बीमा एवं दावा अधिकरण
10. प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 - कुछ करारों का प्रतिषेद, प्रभावशाली स्थिति का दुरप्रयोग, संयोजनों का विनिमयन

Unit -6 वाणिज्य विधि

1. संविदा तथा ई-संविदा के अनिवार्य तत्त्व
2. संविदा-भंग, संविदा की व्यर्थता, शून्य एवं शून्यकरणीय करार
3. संविदा तथा अर्द्ध संविदा के मानक स्वरूप
4. विशिष्ट संविदाएं : उपनिधान, गिरवी, क्षतिपूर्ति, गारंटी तथा एंजेसी
5. माल विक्रय अधिनियम, 1881
6. साझेदारी तथा सीमित दायित्व साझेदारी
7. परक्राम्य लिखित अधिनियम, 1881
8. कम्पनी विधि - कम्पनी का गठन, प्रोस्पेक्टस, शेयर, तथा डेबेंचर
9. कम्पनी विधि - निदेशक एवं मीटिंग
10. कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

Unit -7 पारिवारिक विधि

1. स्रोत एवं शाखाएँ
2. विवाह और विवाह विच्छेद
3. वैवाहिक उपचार : विवाद विच्छेद और विवाह विच्छेद के सिद्धान्त
4. विवाह संस्था के बदलते आयाम - लिव-इन-रिलेशनशिप
5. विवाह और विवाह विच्छेद से सम्बन्धित विदेशी डिक्री की भारत में मान्यता
6. भरण-पोषण, डावर, स्त्रीधन
7. दत्तक ग्रहण, संरक्षकता और अभिस्वीकृति
8. उत्तराधिकार एवं विरासत
9. वसीयत, दान तथा वक्फ
10. समान सिविल संहिता

Unit -8 पर्यावरण एवं मानव अधिकार विधि

1. पर्यावरण तथा 'पर्यावरण प्रदूषण' का अर्थ और संकल्पना
2. अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण विधि तथा यू.एन. काफ्रेन्सिस
3. भारत में पर्यावरण संरक्षण की संवैधानिक एवं विधिक संरचना
4. भारत में पर्यावरणीय प्रभाव आकलन तथा खतरनाक अपशिष्ट पदार्थ का नियन्त्रण
5. राष्ट्रीय हरित अधिकरण
6. मानव अधिकारों की संकल्पना एवं विकास
7. सार्वभौमिकतावाद एवं सांस्कृतिक सापेक्षातावाद

8. अन्तर्राष्ट्रीय बिल ऑफ राइटस
9. समूह अधिकार – महिलाएं, बच्चे, अन्यथा योग्य व्यक्ति, वरिष्ठ व्यक्ति, अल्पसंख्यक एवं कमजोर वर्ग
10. भारत में मानवाधिकारों का संरक्षण एवं प्रवर्तन राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग, राष्ट्रीय महिला आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचितजाति, राष्ट्रीय जनजाति आयोग, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एन.सी.बी.सी)

Unit -9 बौद्धिक सम्पदा अधिकार एवं सूचना प्रौद्योगिकी विधि

1. बौद्धिक सम्पदा की अवधारणा तथा अर्थ
2. बौद्धिक सम्पदा के सिद्धान्त
3. बौद्धिक सम्पदा से सम्बन्धित अन्तर्राष्ट्रीय कन्वेशंन्स
4. प्रतिलिप्याधिकार तथा पड़ोस के अधिकार - विषय वस्तु, सीमाएँ तथा अपवाद, उल्लंघन तथा उपचार
5. एकस्व (पेटेंट) की विधि एकस्व की पात्रता, एकस्व प्रदान करने की प्रक्रिया, सीमाएँ तथा अपवाद, उल्लंघन तथा उपचार
6. व्यापार चिह्न की विधि, व्यापार चिह्न का पंजीकरण, व्यापार चिह्न के प्रकार, उल्लंघन तथा पासिंग ऑफ उपचार
7. भौगोलिक उपदर्शन का संरक्षण
8. जैव विविधता तथा परम्परागत ज्ञान
9. सूचना प्रौद्योगिकी विधि - डिजिटल हस्ताक्षर तथा इलेक्ट्रानिक हस्ताक्षर, इलैक्ट्रोनिक शासन, इलैक्ट्रानिक अभिलेख, ग्राहको के कर्त्तव्य
10. साईबर अपराध, शास्ति तथा न्याय निर्णयन

Unit -10 तुलनात्मक लोक विधि एवं शासन प्रणाली

1. तुलनात्मक विधि – प्रासंगिकता, प्रविधि, तुलना करने में आने वाली समस्याएं और चिन्ताएं
2. सरकार के रूप – अध्यक्षीय एवं संसदीय, एकात्मक तथा संघात्मक
3. संघवाद के मॉडल – यू.एस.ए, कनाडा और भारत
4. विधि का शासन - औपचारिक तथा मौलिक संस्करण
5. शक्तियों का पृथक्करण - भारत, यू.के, यू.एस.ए. तथा फ्रांस
6. न्यायपालिका की स्वंत्रता - न्यायिक सक्रियता और जवाबदेह - भारत, यू.के व यू.एस.ए.
7. संवैधानिक समीक्षा की पद्धति - भारत, यू.एस.ए., स्विरजरलैण्ड तथा फ्रांस
8. संविधान का संशोधन- भारत, यू.एस.ए तथा दक्षिणी अमेरिका
9. ओंबुड्ज्मैन – स्वीडन, यू.के तथा भारत
10. खुली सरकार एवं सूचना का अधिकार - यू.एस.ए, यू.के और भारत

नोट - सम्बद्ध विषयवस्तु पर प्राचीन भारतीय विधिशास्त्र पर आधारित प्रश्न भी पूछे जाएंगे।
Questions based on Ancient Indian Jurisprudence shall also be asked on the relevant topics.

भाग -2
न्यायशास्त्रम्/वैशेषिकम्

प्रश्नाः - 35 **अङ्काः - 70**

पाठ्यक्रमः - न्यायशास्त्रम् (भागः -2)

Unit–1 : न्यायदर्शनस्य परिचयः

- न्यायदर्शनस्य स्वरूपम्, इतिहासः, विकासः
- प्राचीन-नव्यन्यायपरिचयः

Unit–2 : षोडशपदार्थाः

- षोडशपदार्थपरिचयः
- पदार्थलक्षणं वर्गीकरणं च

Unit–3 : प्रमाणविचारः

- प्रत्यक्षम्, अनुमानम्, उपमानम्, शब्दः
- प्रमाणसम्प्लवः

Unit–4 : अनुमानप्रक्रिया

- व्याप्तिलक्षणम्
- कारणलक्षणानि
- पञ्च अवयवाः

Unit–5 : न्यायतर्कप्रक्रिया

- सिद्धान्तप्रभेदः
- हेत्वाभासाः
- तर्कः वादः जल्पः वितण्डा निग्रहस्थानम्

Unit–6 : न्यायसिद्धान्ताः

- असत्कार्यवादः
- आरम्भवादः
- अन्यथाख्यातिः
- ईश्वरवादः
- मोक्षः

Unit–7 : नव्यन्यायः

- नव्यन्यायभाषा
- अवच्छेदक-अवच्छेद्यविचारः
- प्रमुखसिद्धान्ताः

Unit–8 : प्रमुखाचार्याः ग्रन्थाश्च

- गौतमः वात्स्यायनः, उद्योतकरः, वाचस्पतिमिश्रः, उदयनाचार्यः, गङ्गेशोपाध्यायः
- न्यायसूत्रम्, न्यायभाष्यम्, तत्त्वचिन्तामणिः, न्यायकुसुमाञ्जलिः

Unit–9 : तुलनात्मकन्यायम्

- न्यायस्य अन्यदर्शनैः सह तुलनात्मक अध्ययनम्
- न्यायदर्शनस्य तत्त्वमीमांसा, प्रमाणमीमांसा, आचारमीमांसा

Unit–10 : वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये न्यायदर्शनम्

- वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये न्यायशास्त्रस्य उपयोगः
- भाव्यनुसन्धानचिन्तनम्

भाग -2
वैशेषिकम्

प्रश्नाः – 35 **अङ्काः - 70**

पाठ्यक्रम:

Unit–1 : वैशेषिकदर्शनस्य परिचयः

- वैशेषिकदर्शनस्य स्वरूपम्, इतिहासः, विकासः
- न्याय-वैशेषिकसम्बन्धः

Unit–2 : सप्तपदार्थाः

- द्रव्यम्, गुणः, कर्म, सामान्यम्, विशेषः, समवायः, अभावः

Unit–3 : द्रव्यविचारः

- नवद्रव्याणि
- परमाणुवादः
- कारणकार्यसम्बन्धः

Unit–4 : प्रमाणविचारः

- प्रत्यक्षम्
- अनुमानम्
- प्रामाण्यग्राहकसामग्री

Unit–5 : वैशेषिकसिद्धान्ताः

- पदार्थविमर्श:
- आरम्भवाद:
- पाकप्रक्रिया
- द्वित्वोत्पत्तिप्रक्रिया

Unit–6 : न्याय-वैशेषिकपरम्परा

- प्राचीननव्यन्यायशास्त्रपरिचयः
- शाब्दबोधप्रक्रिया
- न्याय-वैशेषिकसमन्वयः

Unit–7 : प्रमुखाचार्याः सम्बद्धग्रन्थाः च

- कणादः, प्रशस्तपादः, श्रीधरः, उदयनाचार्यः, शिवादित्यः, अन्नम्भट्टः
- वैशेषिकसूत्रम्, पदार्थधर्मसंग्रहः, सप्तपदार्थी, तर्कसंग्रहः

Unit–8 : वैशेषिकदर्शनस्य मीमांसा

- तत्त्वमीमांसा
- प्रमाणमीमांसा
- आचारमीमांसा
- प्रमुखसिद्धान्ताः

Unit–9 : तुलनात्मकवैशेषिकम्

- वैशेषिकस्य न्याय-सांख्य-बौद्ध-जैनदर्शनैः सह तुलनात्मकम् अध्ययनम्

Unit–10 : वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये वैशेषिकदर्शनम्

- वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये वैशेषिकशास्त्रस्य उपयोगः
- भाव्यनुसन्धानचिन्तनम्
- वैदिकावैदिकदर्शनानां सन्दर्भे वैशेषिकदर्शनम्

भाग -2

वेदान्तः (अद्वैतवेदान्तः /वेदान्तस्य अन्यसम्प्रदायाः)

प्रश्नाः – 35 **अङ्काः – 70**

पाठ्यक्रम:

Unit 1 : वेदान्तदर्शनस्य परिचयः

- वेदान्तदर्शनस्य स्वरूपम्, विकासः, प्रस्थानत्रयी।
- प्रमुखवेदान्तसम्प्रदायाः।

Unit 2 : उपनिषदां वेदान्तदृष्ट्या अध्ययनम्

- महावाक्यानि।
- ब्रह्म, जीव, जगत्, मोक्षः।

Unit 3 : वेदान्तस्य सम्प्रदायाः

- अद्वैतवेदान्तः
- विशिष्टाद्वैतम्।
- द्वैतम्।
- द्वैताद्वैतम्।
- शुद्धाद्वैतम्।
- अचिन्त्यभेदाभेदः।

Unit 4 : प्रमुखाचार्याः

- शङ्कराचार्यः, रामानुजाचार्यः, मध्वाचार्यः, निम्बार्काचार्यः, वल्लभाचार्यः। एतेषां दार्शनिकयोगदानं च।

Unit 5 : अद्वैतवेदान्तः

- शङ्कराचार्यस्य सिद्धान्ताः।
- अध्यासः, मायावादः, विवर्तवादः, जीवब्रह्मैक्यम्, मोक्षः।

Unit 6 : अद्वैतवेदान्तस्य प्रमुखग्रन्थाः

- उपनिषदः।
- ब्रह्मसूत्रम्।
- भगवद्गीता।
- शारीरकभाष्यम्।
- वेदान्तसारः।
- वेदान्तपरिभाषा।

Unit 7 : तुलनात्मकवेदान्तः

- अद्वैतस्य अन्यवेदान्तसम्प्रदायैः सह तुलनात्मकम् अध्ययनम्।

Unit 8 : द्वैतवेदान्तः

- महाभारततात्पर्यनिर्णय-न्यायसुधा-न्यायामृतग्रन्थानां परिचयः
- प्रमाणानि, पुराणेतिहासानां महत्त्वम्, भेदस्वरूपम्, जगत्सत्यत्वम्

Unit 9 : विशिष्टाद्वैतवेदान्तः

- ग्रन्थाः-श्रीभाष्यम्, वेदार्थसङ्ग्रहः, सिद्धित्रयी, यतीन्द्रमतदीपिका।
- द्रव्याद्रव्यविभागः, प्रमाणानि, सप्तानुपपत्तयः।
- भक्तिविवेचनम्, प्रपत्तिः, तत्त्वमसि-वाक्यविचारः।

Unit 10 : वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये वेदान्तः

- वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये वेदान्तदर्शनस्य उपयोगः।
- भाव्यनुसन्धानचिन्तनम्।

भाग -2
बौद्धदर्शनम्

प्रश्नाः – 35 **अङ्काः – 70**

पाठ्यक्रम:

Unit 1: बौद्धदर्शनस्य परिचयः

- बौद्धदर्शनस्य स्वरूपम्, विकासः, प्रमुखसम्प्रदायाश्च।
- बुद्धस्य जीवनम् – जन्मतः महापरिनिर्वाणपर्यन्तम्।
- महापरिनिर्वाणोत्तरकालिकाः घटनाः।
- बौद्धदर्शनस्य प्रमाणमीमांसा, तत्त्वमीमांसा, आचारमीमांसा च।

Unit 2: बौद्धदर्शनस्य मूलसिद्धान्ताः

- त्रिविधशिक्षाः (शीलम्, समाधिः, प्रज्ञा च), चत्वारि आर्यसत्यानि, आर्याष्टाङ्गिकमार्गश्च
- प्रतीत्यसमुत्पादः।
- त्रिलक्षणम् – अनित्यत्वम्, दुःखत्वम्, अनात्मत्वं च।

Unit 3: बौद्धदर्शनस्य दार्शनिकसिद्धान्ताः

- क्षणभङ्गवादः।
- अनात्मवादः
- शून्यवादः।
- निर्वाणम्।
- चित्तसन्ततिः।
- आलयविज्ञानम्।

Unit 4: बौद्धदर्शनप्रस्थानानि

- थेरवादः।
- वैभाषिकः।
- सौत्रान्तिकः।
- योगाचारः (विज्ञानवादः)।
- माध्यमिकदर्शनम् ।

Unit 5: बौद्धागमसाहित्यम्

- पालि-बौद्धसाहित्यम्।
- तिपिटकं (त्रिपिटकम्) – विनयपिटकं, सुत्तपिटकं (सूत्रपिटकम्), अभिधम्मपिटकं (अभिधर्मपिटकम्)।
- संस्कृत-बौद्धसाहित्यम्।
- वैपुल्यसूत्राणि।

Unit 6: बौद्धाचार्याः बौद्धसङ्गीतयश्च।

- बुद्धघोषः, नागार्जुनः, वसुबन्धुः, धर्मकीर्तिः – इत्येतेषाम् आचार्याणां व्यक्तित्वं कृतित्वं च।
- बौद्धसङ्गीतयः (प्रथमातः चतुर्थीपर्यन्तम्)।
- बौद्धधर्मप्रसारे सम्राजः अशोकस्य सम्राजः कनिष्कस्य च योगदानम्।

Unit 7: बौद्धशिक्षापरम्परा समकालीनदर्शनानि च

- बुद्धसमकालिकाः षट् तीर्थिकाः तद्दर्शनानि च।
- नालन्दा-विक्रमशिला-वल्लभी-उदन्तपुरी-सोमपुरा-जगद्दल-महाविहाराः।
- बौद्धशिक्षायाः परम्परा योगदानं च।

Unit 8: बौद्धसाधना दार्शनिकविमर्शश्च।

- शमथः विपश्यना च।
- ब्राह्मण-श्रमणपरम्परयोः तुलनात्मकविमर्शः।
- सर्वदर्शनसङ्ग्रहानुसारं बौद्धमतम्।
- प्रमुखाः दार्शनिकावधारणाः।

Unit 9: बौद्धदर्शनस्य अनुप्रयुक्तविमर्शः

- बौद्धदर्शनस्य अन्यैः भारतीयदर्शनैः सह तुलनात्मकविमर्शः।
- बौद्धधर्मदर्शनदृष्ट्या प्राकृतिकसम्पदः पर्यावरणसंरक्षणं च।
- बौद्धदृष्ट्या नैतिकता वैश्विकमानवमूल्यानि च।

Unit 10: वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये बौद्धदर्शनम्

- वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये बौद्धदर्शनस्य उपयोगः।
- बौद्धदर्शनस्य वैश्विकप्रासङ्गिकता।
- भाव्यनुसन्धानचिन्तनम्।

भाग -2
शिक्षाशास्त्रम् (शिक्षा)

प्रश्नाः – 35 **अङ्काः – 70**

पाठ्यक्रम:

Unit -1 शैक्षणिक अध्ययन

(क) विद्या के विशेष संदर्भ में भारतीय दार्शनिक विचारधाराओं (सांख्य, योग, वेदांत, बौद्ध, जैन) का योगदान, दयानंद दर्शन; तथा शैक्षणिक लक्ष्यों और वैध ज्ञानार्जन की विधियों के प्रति इस्लामी परंपराएँ।

(ख) पाश्चात्य विचारधाराओं (आदर्शवाद, यथार्थवाद, प्रकृतिवाद, व्यावहारिकतावाद, मार्क्सवाद, अस्तित्ववाद) का योगदान तथा सूचना, ज्ञान और प्रज्ञान के विशेष संदर्भ में शिक्षा में उनका योगदान।

(ग) 'शिक्षा का समाजशास्त्र' के प्रति विभिन्न उपागम (प्रतीकात्मक परस्परक्रिया, संरचनात्मक प्रकार्यवाद तथा संघर्ष सिद्धांत)। सामाजिक संस्थाओं की संकल्पना एवं प्रकार तथा उनके कार्य (परिवार, विद्यालय और समाज), सामाजिक आंदोलनों की संकल्पना, सामाजिक आंदोलनों के सिद्धांत (सापेक्ष वंचन, संसाधन जुटाना, राजनीतिक प्रक्रिया सिद्धांत तथा नव सामाजिक आंदोलन सिद्धांत) ।

(घ) समाजीकरण तथा शिक्षा – शिक्षा और संस्कृति; सामाजिक परिवर्तन के लिए शैक्षिक विचार के विकास में विचारकों (स्वामी विवेकानंद, रवीन्द्रनाथ टैगोर, महात्मा गांधी, अरोबिंदो, जे कृष्णामूर्ति, पावलो फ्रेरे, वोल्स्टनक्राफ्ट, नेल नौडिंग्स तथा सावित्रीबाई फूले) का योगदान, भारत के संविधान में प्रतिष्ठापित राष्ट्रीय मूल्य – शिक्षा के विशेष संदर्भ में समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता, न्याय, स्वतंत्रता, लोकतंत्र, समानता, स्वाधीनता।

Unit -2 शिक्षा का इतिहास, राजनीति तथा अर्थशास्त्र

(क) अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में समितियों और आयोगों का योगदान – माध्यमिक शिक्षा आयोग (1953), कोठारी शिक्षा आयोग (1964-66), राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986, 1992), राष्ट्रीय शिक्षक आयोग (1999), राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (2005), राष्ट्रीय ज्ञान आयोग (2007), यशपाल समिति रिपोर्ट (2009), अध्यापक शिक्षा राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (2009), न्यायमूर्ति वर्मा समिति रिपोर्ट (2012)

(ख) नीतियों और शिक्षा के बीच संबंध, शिक्षा नीति और राष्ट्रीय विकास के बीच संपर्क कड़ी, शिक्षा नीति तथा नीति निरूपण प्रक्रिया के निर्धारक तत्वः वर्तमान स्थिति का विश्लेषण, नीति विकल्पों का सृजन, नीति विकल्पों का मूल्यांकन, नीतिगत निर्णयन, नीति कार्यान्वयन की योजना बनाना, नीति के प्रभाव का आकलन तथा अनुवर्ती नीति-चक्र।

(ग) शिक्षा के अर्थशास्त्र की संकल्पना : शिक्षा में लागत लाभ विश्लेषण बनाम लागत प्रभावी विश्लेषण, उच्च शिक्षा को आर्थिक प्रतिफल – संकेतन सिद्धान्त बनाम मानव पूंजी सिद्धान्त, शैक्षिक वित्त-व्यवस्था की अवधारणा, सूक्ष्म एवं स्थूल स्तर पर शैक्षिक वित्त-व्यवस्था, बजट निर्माण की संकल्पना।

(घ) राजनीति और शिक्षा के बीच संबंध, शिक्षा की राजनीति संबंधी दृष्टिकोण – उदारवादी, रूढ़िवादी तथा समालोचनात्मक, राजनीति को समझने के उपागम – (व्यवहारवाद, प्रणाली विश्लेषण का सिद्धान्त तथा तर्कसंगत विकल्प का सिद्धान्त), राजनीतिक विकास तथा राजनीतिक समाजीकरण के लिए शिक्षा।

Unit -3 शिक्षार्थी तथा अधिगम प्रक्रिया

(क) वृद्धि तथा विकास : संकल्पना तथा प्रिंसिपुल्स, संज्ञानात्मक प्रक्रियाएँ तथा संज्ञानात्मक विकास की अवस्थाएँ, व्यक्तित्व : परिभाषाएँ तथा सिद्धान्त (फ्रायड, कार्ल रोजर्स, गोर्डन ऑलपोर्ट, मैक्स वर्थिमर, कुर्त कोफ्का), मानसिक स्वास्थ्य तथा मानसिक स्वच्छता।

(ख) बुद्धि के प्रति उपागम – ऐकिक से बहुलित तक : सामाजिक बुद्धि की संकल्पनाएँ, बहुल-बुद्धि, संवेगात्मक बुद्धि, स्टर्नवर्ग, गार्डनर द्वारा प्रवर्तित बुद्धि के सिद्धांत, बुद्धि का निर्धारण, समस्या समाधान की संकल्पनाएँ, समालोचनात्मक चिंतन, अधिसंज्ञान तथा सर्जनात्मकता।

(ग) अधिगम (ज्ञानार्जन) के नियम (प्रिंसिपुल्स) तथा सिद्धान्त (थिअरिज): अधिगम के व्यवहारपरक, संज्ञानात्मक तथा सामाजिक सिद्धान्त, सामाजिक अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक, सामाजिक सक्षमता, सामाजिक संज्ञान की संकल्पना, सामाजिक संबंध तथा समाजीकरण के लक्ष्यों की समझ।

(घ) मार्गदर्शन तथा परामर्शन : प्रकृति, प्रिंसिपुल्स तथा आवश्यकता, मार्गदर्शन के प्रकार (शैक्षणिक, व्यावसायिक, व्यक्तिगत, स्वास्थ्य तथा सामाजिक और निदेशात्मक, गैर-निदेशात्मक एवं), परामर्शन के प्रति उपागम- संज्ञानात्मक-व्यवहारवादी (एल्बर्ट एलिस – आर ई बी टी) और मानवतावादी, व्यक्ति-केंद्रित परामर्शन (कार्ल रोजर्स)- परामर्शन के सिद्धान्त (व्यवहारवादी, तर्क संगत, संवेगात्मक तथा यथार्थ)।

Unit -4 अध्यापक शिक्षा

(क) अध्यापक शिक्षा का अर्थ, प्रकृति तथा विषय-क्षेत्र; अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों के प्रकार, एन सी ई आर टी तथा एन सी टी ई के पाठ्यचर्या प्रलेखों में प्रारंभिक, माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक स्तरों पर अध्यापक शिक्षा पाठ्यचर्या की संरचना तथा इससे संबंधित दूरदृष्टि, सेवा-पूर्व अध्यापक शिक्षा के घटकों का संगठन संव्यवहारपरक उपागम (आधारिक पाठ्यक्रमों के लिए) प्रतिपादक, सहयोगात्मक तथा अनुभवजन्य अधिगम।

(ख) शुल्मैन, डेंग एवं ल्यूक तथा हेवरमैन के दृष्टिकोण से अध्यापक शिक्षा के ज्ञानाधार को समझना, मननात्मक अध्यापन का अभिप्राय तथा मननात्मक शिक्षा के मॉडल्स : व्यवहारवादी, सक्षमता-आधारित तथा पूछताछ उन्मुख अध्यापक शिक्षा मॉडल्स।

(ग) सेवाकालीन अध्यापक शिक्षा की संकल्पना, आवश्यकता, उद्देश्य तथा विषय-क्षेत्र, सेवाकालीन अध्यापक शिक्षा का संगठन और इसकी विधियों की रीतियाँ, जिला, राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर सेवाकालीन अध्यापक शिक्षा की एंजेसियों और संस्थान (एस एस ए, आर एम एस ए, एस सी ई आर टी, एन सी ई आर टी, एन सी टी ई तथा यू जी सी), सेवाकालीन अध्यापक शिक्षा की योजना बनाने से संबंधित विचारणीय प्राथमिक बिन्दु (उद्देश्य, समयावधि, संसाधन तथा बजट)।

(घ) व्यवसाय तथा व्यवसायीकरण की संकल्पना, एक व्यवसाय के रूप में अध्यापन, अध्यापकों की व्यावसायिक आचारनीति, अध्यापक विकास को प्रभावित करने वाले वैयक्तिक तथा प्रसंगाश्रित कारक, आई सी टी एकीकरण, अध्यापक शिक्षा के व्यवसायीकरण के लिए गुणवत्ता प्रवर्धन, अध्यापक शिक्षा में नवप्रवर्तन

Unit -5 पाठ्यचर्या अध्ययन

(क) पाठ्यचर्या की संकल्पना तथा सिद्धांत, पाठ्यचर्या विकास की कार्यनीति, पाठ्यचर्या विकास की प्रक्रिया की अवस्थाएँ, पाठ्यक्रम नियोजन की आधारशिला – दार्शनिक आधार (राष्ट्रीय, लोकतंत्रीय) समाजशास्त्रीय आधार (सामाजिक-सांस्कृतिक पुनर्निर्माण), मनोवैज्ञानिक आधार (अध्येता की आवश्यकताएँ तथा अभिरुचियाँ, बेंचमार्किंग तथा राष्ट्र-स्तरीय सांविधिक निकायों की भूमिका – पाठ्यचर्या विकास में यू जी सी, एन सी टी ई तथा विश्वविद्यालय की भूमिका

(ख) पाठ्यचर्या अभिकल्प के मॉडल: परंपरागत तथा समकालीन मॉडल (शैक्षिक / विषय-आधारित मॉडल, सक्षमता आधारित मॉडल, सामाजिक कार्य / क्रियाकलाप मॉडल (सामाजिक पुनर्निर्माण), वैयक्तिक आवश्यकताएँ तथा अभिरूचि मॉडल, परिणाम आधारित एकीकृत मॉडल, हस्तक्षेप मॉडल, सी आई पी पी मॉडल (कांटेक्स्ट, इनपुट, प्रोसेस, प्रोडक्ट मॉडल)

(ग) अनुदेशात्मक प्रणाली, अनुदेशात्मक मीडिया, पाठ्यचर्या संव्यवहार को बढ़ाने में अनुदेशात्मक तकनीकें तथा सामग्री, पाठ्यचर्या मूल्यांकन के उपागम : पाठ्यचर्या तथा अनुदेश के प्रति उपागम (शैक्षिक तथा सक्षमता आधारित उपागम), पाठ्यचर्या मूल्याँकन के माडल्स : टाइलर का मॉडल, स्टेक का मॉडल, स्क्रीवेन का मॉडल, किर्कपैट्रिक का मॉडल

(घ) पाठ्यचर्या परिवर्तन का अर्थ और इसके प्रकार, पाठ्यक्रम परिवर्तन को प्रभावित करने वाले कारक, पाठ्यचर्या परिवर्तन के प्रति उपागम, पाठ्यचर्या परिवर्तन तथा परिष्कार में विद्यार्थियों, अध्यापकों तथा शैक्षणिक प्रशासकों की भूमिका, पाठ्यचर्या शोध का विषय क्षेत्र तथा पाठ्यचर्या अध्ययनों में शोध के प्रकार

Unit -6 शिक्षा में शोध

(क) शैक्षिक शोध का अर्थ तथा विषय-क्षेत्र, वैज्ञानिक पद्धति का अर्थ तथा चरण, वैज्ञानिक पद्धति के अभिलक्षण (अनुकरणीयता, परिशुद्धता, मिथ्यापनीयता तथा मितव्ययिता), वैज्ञानिक पद्धति के प्रकार (गवेषणात्मक, व्याख्यात्मक तथा वर्णनात्मक), एक वैज्ञानिक कार्यकलाप के रूप में शोध के लक्ष्य : समस्या समाधान, सिद्धान्त निर्माण तथा भविष्य कथन, शोध के प्रकार (मौलिक, अनुप्रयुक्त, क्रियाशील), शैक्षिक शोध के प्रति उपागम (मात्रात्मक तथा गुणात्मक), शैक्षिक शोध में अभिकल्प (वर्णनात्मक, प्रयोगात्मक तथा ऐतिहासिक)।

(ख) चर : अवधारणा, कंस्ट्रक्ट्स तथा चर, चरों के प्रकार (अनाश्रित, आश्रित, बाह्य, मध्यवर्ती तथा मॉडरेटर), प्राक्कल्पना-अवधारणा, स्रोत, प्रकार (शोध, निर्देशात्मक, गैर-निर्देशात्मक, निराकरणीय), प्राक्कल्पना निर्माण, प्राक्कल्पना के अभिलक्षण, शोध प्रस्ताव लेखन के चरण, जगत् तथा प्रतिदर्श की अवधारणा, उत्तम नमूना के अभिलक्षण, नमूना चयन की तकनीकें (प्रायिकता तथा गैर-प्रायकिता नमूना चयन) शोध के उपकरण – उपकरण की विधि मान्यता, विश्वसनीयता तथा मानकीकरण, उपकरणों के प्रकार (कोटि-निर्धारण पैमाना, अभिवृति निर्धारण पैमाना, प्रश्नावली, अभिक्षमता परीक्षण और उपलब्धि परीक्षण, इंवेंटरी), शोध की तकनीक (प्रेक्षण, साक्षात्कार तथा प्रक्षेपी तकनीकें)।

(ग) मापन पैमाने के प्रकार (नॉमिनल, क्रमसूचक, अंतराल, और अनुपात) मात्रात्मक डाटा विश्लेषण -वर्णनात्मक डाटा विश्लेषण (केन्द्रीय प्रवृत्ति का मापन, परिवर्तिता, विश्वासाश्रित सीमाएँ तथा डाटा की रेखाचित्रात्मक प्रस्तुतिकरण) प्राक्कल्पना का परीक्षण (प्रकार 1 तथा प्रकार II की त्रुटियाँ), सार्थकता के स्तर, सांख्यिकीय जाँच की शक्ति तथा इसके प्रभाव का आकार, प्राचलिक तकनीकें, गैर-प्राचलिक तकनीकें, प्राचलिक तकनीकों के प्रयोग के लिए संतुष्ट करने वाली स्थितियाँ, आनुमानिक डाटा विश्लेषण, सांख्यिकीय तकनीकों का उपयोग और विवेचनः सहसाहचर्य, टी-परीक्षण, जेड-परीक्षण, ए एन ओ वी ए

(अनोवा), काई-वर्ग (समान प्रायिकता तथा सामान्य प्रायिकता प्राक्कल्पना)। गुणात्मक डाटा विश्लेषण-डाटा न्यूनन तथा वर्गीकरण, वैश्लेषिक प्रवर्तन और कंस्टेंट कंपेरिजन, त्रिभुजन की अवधारणा।

(घ) गुणात्मक शोध अभिकल्प : ग्राउण्डेड थियरी अभिकल्प (प्रकार, अभिलक्षण, अभिकल्प, जी टी रिसर्च संचालित करने में निहित चरण, जी टी की सबलताएँ और दुर्बलताएँ) – विवरणात्मक (नैरेटिव) शोध अभिकल्प (अर्थ तथा प्रमुख अभिलक्षण, विवरणात्मक शोध अभिकल्प के संचालन में निहित चरण), केस अध्ययन अभिकल्प के घटक, अर्थ, अभिलक्षण, केस अध्ययन अभिकल्प के प्रकार, केस अध्ययन शोध के संचालन में निहित चरण, सबलताएँ और दुर्बलताएँ), नृजाति वर्णन (अर्थ, अभिलक्षण, निहित पूर्वधारणाएँ, नृजाति वर्णन शोध संचालन में निहित चरण, नृजाति पर ब्योरा-लेखन, सबलताएँ तथा दुर्बलताएँ), मिश्रित पद्धति अभिकल्प : अभिलक्षण, मिश्रित पद्धति अभिकल्प के प्रकार (विभुजन, व्याख्यात्मक, तथा गवेषणात्मक अभिकल्प), मिश्रित पद्धति अभिकल्प के संचालन में निहित चरण, मिश्रित पद्धति की सबलताएं और दुर्बलताएँ।

Unit -7 शिक्षणशास्त्र, प्रौढशिक्षा विज्ञान तथा मूल्यांकन

(क) शिक्षणशास्त्र, शिक्षणशास्त्र संबंधी विश्लेषण – संकल्पनाएँ तथा चरण, आलोचनात्मक शिक्षणशास्त्र, अर्थ, आवश्यकता तथा अध्यापक शिक्षा में इसका निहितार्थ, शिक्षण का संगठन : स्मृति स्तर (हार्बर्टियन मॉडल), समझ स्तर (मोरिसन टीचिंग मॉडल), परावर्ती स्तर (बिगे तथा हंट टीचिंग मॉडल) शिक्षा में प्रौढशिक्षा विज्ञान की संकल्पना : अर्थ, नियम (प्रिंसपुल्स), स्व-निर्देशित अधिगम की सक्षमता, प्रौढशिक्षा का सिद्धान्त (माक्लय नोल्ज), शिक्षार्थी स्वायत्तता का गत्यात्मक मॉडल।

(ख) मूल्यांकन – अर्थ, प्रकृति, दृष्टिकोण (अधिगम के लिए मूल्यांकन) अधिगम के लिए मूल्यांकन तथा अधिगम का मूल्यांकन, मूल्यांकन के प्रकार (पदस्थापन, प्रांरभिक, निदानात्मक, योगात्मक) उद्देश्यों और परिणामों के बीच संबंध, अधिगम के संज्ञानात्मक (एंडरसन तथा क्रैथवोहल), भावात्मक (क्रैथवोहल) तथा साइकोमोटर (आर एच दवे) क्षेत्रों का मूल्यांकन।

(ग) शिक्षा के शिक्षणशास्त्र में मूल्यांकन : प्रतिपुष्टि युक्तियाँ : अर्थ, प्रकार, मानदंड, प्रतिपुष्टि की युक्ति के रूप में मार्गदर्शन : पोर्टफोलियो का विश्लेषण, रिफलेक्टिव जर्नल, रूब्रिक्स का प्रयोग कर फील्ड एंगेज्मेंट, सक्षमता आधारित मूल्यांकन, अध्यापक निर्मित आई सी टी संसाधनों का मूल्यांकन।

(घ) प्रौढ शिक्षा का मूल्यांकन – अंतः क्रिया-विश्लेषण : फलैंडर का अंतःक्रिया विश्लेषण, गैलोवे की अंतःक्रिया विश्लेषण पद्धति (कक्षान्तर्गत घटनाओं की रिकार्डिंग, अंतःक्रिया मैट्रिक्स का निर्माण और व्याख्या), अध्यापक मूल्यांकन के मानदंड (उत्पाद, प्रक्रिया, तथा पूर्वज्ञान मानदंड), स्व तथा समकक्ष मूल्यांकन के लिए रूब्रिक्स (अर्थ, निर्माण के चरण)।

Unit -8 शिक्षा में / के लिए प्रौद्योगिकी

(क) एक विषयानुशासन के रूप में शैक्षिक प्रौद्योगिकी (ई टी) की संकल्पना : (सूचना प्रौद्योगिकी, संचार प्रौद्योगिकी और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आई सी टी) तथा अनुदेशत्माक प्रौद्योगिकी, औपचारिक, गैर-औपचारिक (मुक्त तथा दूर-शिक्षा), अनौपचारिक, तथा समावेशी शिक्षा पद्धति में शैक्षिक प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग, व्यवहारवादी, संज्ञानात्मक तथा रचनावादी सिद्धान्तों का विंहगावलोकन और अनुदेशात्मक अभिकल्पों में उनका निहितार्थ (स्किनर, पियागे, आजूबेल, ब्रुनर, विगोत्सकी.) अधिगम सिद्धान्तों तथा अनुदेशात्मक कार्यनीति के बीच संबंध (वृहद् तथा लघु एवं औपचारिक तथा गैर-औपचारिक समूहों के लिए)।

(ख) अनुदेशात्मक अभिकल्प के प्रति सिस्टम्स उपागम, अनुदेशात्मक अभिकल्प को विकसित करने के मॉडल (ए डी डी आई ई, ए एस एस यू आर ई, डिक तथा केयरी मॉडल मैंसन का) गैग्रे द्वारा प्रतिपादित 'नाइन इवेंट्स ऑफ इंस्ट्रक्शन' तथा 'फाईव ई'ज ऑफ कंस्ट्रक्टीविज्म', रचनावादी अनुदेशात्मक अभिकल्प के नौ तत्त्व, शिक्षा में कंप्यूटर का अनुप्रयोगः सी ए आई, सी ए एल, सी बी टी, सी एम एल, कंसेप्ट, ओ डी एल एम तैयार करने की प्रक्रिया, ई-लर्निंग की अवधारणा, ई-लर्निंग के प्रति उपागम : (ऑफलाइन, ऑनलाइन, सहकालिक, असहकालिक, मिश्रित अधिगम, मोबाइल अधिगम)।

(ग) इ-लर्निंग में उभरती प्रवृत्तियाँ : सामाजिक अधिगम (अवधारणा, अधिगम के लिए वेब 2.0 के साधनों का उपयोग, सोशल नेटवर्किंग साइट्स, ब्लॉग्स, चैट्स, वीडियो कांफ्रेंसिंग, डिस्कशन फोरम), ओपेन एजूकेशन रिसोर्सेज (क्रियेटिव कॉमन, मैसिव ओपेन ऑनलाइन कोर्सेज; अवधारणा तथा अनुप्रयोग), इ-इंक्लुजन : ई-इंक्लुजन की अवधारणा ई-लर्निंग में सहायक-प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग, ई-लर्निंग की गुणवत्ता – सिस्टम की गुणवत्ता का मापन; सूचना, सिस्टम, सेवा, उपयोगकर्ता संतुष्टि और शुद्ध लाभ (डी एंड एम आई एस सक्सेस मॉडल, 2003) ई-शिक्षार्थियों तथा ई-अध्यापक-अध्यापन तथा शोध के लिए आचारनीतिक-मुद्दे।

(घ) मूल्यांकन, प्रशासन तथा शोध में आई सी टी का प्रयोग : ई-पोर्टफोलियोज, शोध के लिए आई सी टी- ऑनलाइन रिपोजिटरीज तथा ऑनलाइन पुस्तकालय, ऑनलाइन तथा ऑफलाइन मूल्यांकन टूल्स (ऑनलाइन सर्वेक्षण टूल्स तथा टेस्ट जेनरेटर्स) अवधारणा तथा विकास।

Unit -9 शैक्षिक प्रबंधन, प्रशासन एवं नेतृत्व

(क) शैक्षिक प्रबंधन और प्रशासन – अर्थ, सिद्धान्त, कार्य तथा महत्त्व, संस्थानिक निर्माण, पोस्टकार्ब (पी ओ एस डी सी ओ आर बी), सी पी एम, पर्ट (पी इ आर टी), प्रबंधन – एक प्रणाली के रूप में, स्वोट (एस डब्लू ओ टी) एनालिसिस, टेलरवाद, एक प्रक्रिया के रूप में प्रशासन, अधिकारी तंत्र के रूप में प्रशासन, प्रशासन के प्रति मानव संबंध उपागम, संगठनात्मक अनुपालन, संगठनात्मक विकास, संगठनात्मक वातावरण।

(ख) शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व : अर्थ तथा प्रकृति, नेतृत्व के प्रति उपागम : विशिष्टता, परिवर्तनकारी, कार्यसंपादनपरक, मूल्य आधारित, सांस्कृतिक, मनो-गत्यात्मक और करिश्माई, नेतृत्व के मॉडल (ब्लेक तथा मुटन्स का प्रबंधकीय ग्रिड, फिडलर का कंटींजेंसी मॉडल, त्रि-आयमी मॉडल, हर्सी तथा ब्लेंचर्ड का मॉडल, लीडर मेंबर एक्सचेंज थियरी)।

(ग) गुणवत्ता की अवधारणा तथा शिक्षा में गुणवत्ता : भारतीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण, गुणवत्ता का क्रमविकास : निरीक्षण, गुणवत्ता नियंत्रण, गुणवत्ता आश्वासन, संपूर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन (टी क्यू एम), सिक्स सिग्मा, गुणवत्ता गुरु : वाल्टर सेवार्ट, एडवर्ड डेमिंग, सी के प्रह्लाद।

(घ) परिवर्तन प्रबन्धन : अर्थ, नियोजित परिवर्तन की आवश्यकता, परिवर्तन का त्रि-चरण मॉडल (अनफ्रीजिंग, मूविंग, रीफ्रीजिंग), परिवर्तन का जापानी मॉडल जस्ट-इन-टाइम, पोका योक, गुणवत्ता की लागत : मूल्यांकन लागत, विफलता की लागत तथा निवार्य लागत, लागत लाभविश्लेषण, लागत प्रभाविता विश्लेषण, भारतीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन एंजेसियाँ : उद्देश्य, कार्य, भूमिकाएं एवं पहल, (राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद् (एन ए ए सी), कार्य निष्पादन संकेतक, भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यू मी आई), उच्च शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन एजेंसियों के लिए अन्तर्राष्ट्रीय नेटवर्क (आई एम क्यू ए ए एच ई)।

Unit -10 समावेशी शिक्षा

(क) समावेशी शिक्षा : अवधारणा, सिद्धान्त, विषय-क्षेत्र तथा लक्षित समूह (विविधतापूर्ण शिक्षार्थी; हाशिए पर स्थित समूह, अन्यथा सक्षम शिक्षार्थी), समावेशी शिक्षा के दर्शन का उद्विकास : विशेष, एकीकृत, समावेशी शिक्षा, विधिक प्रावधान : नीतियां एवं अधिनियम, (राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986), प्रोग्राम ऑफ एक्शन (1992) निःशक्त व्यक्ति अधिनियम, (1995) निःशक्तता पर राष्ट्रीय नीति (2006), राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (2005), असमान शिक्षार्थियों के लिए रियायतें तथा सुविधाएँ (शैक्षिक तथा आर्थिक), भारतीय पुनर्वास परिषद अधिनियम (1992), सर्व शिक्षा अभियान एस एस ए के अंतर्गत समावेशी शिक्षा, यू एन सी आर पी डी (यूनाइटेड नेशंस कंवेंशन ऑन दी राइट्स ऑफ परसंस विद डिसएबिलिटीज) तथा इसका निहितार्थ।

(ख) दोषग्रस्तता (इपेयरमेंट), दिव्यांगता (डिसएिबलिटी) तथा अपंगता (हैंडीकैप) की अवधारणा, आई सी एफ मॉडल के आधार पर दिव्यांगताओं का वर्गीकरण, विद्यालय की तैयारी, तथा समावेशन के मॉडल्स, असमान अध्येताओं का बाहुल्य, इनके प्रकार, अभिलक्षण तथा इनकी शैक्षिक आवश्यकताएँ, बौद्धिक, शारीरिक तथा बहुल दिव्यांगता, दिव्यांगता के कारण तथा निवारण, समावेश हेतु असमान शिक्षार्थियों की पहचान, शैक्षिक मूल्यांकन की विधियाँ, तकनीक तथा उपकरण।

(ग) समावेशी कक्षाओं का नियोजन और प्रबंधन : आधारिक संरचना, मानव संसाधन तथा अनुदेशात्मक व्यवहार, असमान शिक्षार्थियों के लिए पाठ्यचर्या तथा पाठ्यचर्या अनुकूलन, असमान शिक्षार्थियों के लिए सहायक तथा अनुकूली प्रौद्योगिकी: उत्पाद (सहायक-साधन तथा उपकरण) तथा प्रक्रिया (व्यक्तिकृत शिक्षा-योजना, उपचारात्मक शिक्षण), माता-पिता तथा पेशेवरों की भागीदारी, माता-पिता, समकक्ष व्यक्तियों, पेशेवरों, अध्यापकों, विद्यालय की भूमिका।

(घ) समावेशी शिक्षा में बाधाकारक तथा सुकारक तत्त्व : अभिवृत्ति, सामाजिक तथा शैक्षिक, भारत में समावेशी शिक्षा की समसामयिक स्थिति तथा आचारनीतिक मुद्दे, भारत में समावेशी शिक्षा के क्षेत्र में शोध प्रवृत्तियाँ।

Part – 2
Computer Science

Total Number of Questions: 35 **Total Marks: 70**

Syllabus

Unit – 1 : Discrete Structures and Optimization

Mathematical Logic: Propositional and Predicate Logic, Propositional Equivalences, Normal Forms, Predicates and Quantifiers, Nested Quantifiers, Rules of Inference.

Sets and Relations: Set Operations, Representation and Properties of Relations, Equivalence Relations, Partially Ordering.

Counting, Mathematical Induction and Discrete Probability: Basics of Counting, Pigeonhole Principle, Permutations and Combinations, Inclusion- Exclusion Principle, Mathematical Induction, Probability, Bayes' Theorem.

Group Theory: Groups, Subgroups, Semi Groups, Product and Quotients of Algebraic Structures, Isomorphism, Homomorphism, Automorphism, Rings, Integral Domains, Fields, Applications of Group Theory.

Graph Theory: Simple Graph, Multigraph, Weighted Graph, Paths and Circuits, Shortest Paths in Weighted Graphs, Eulerian Paths and Circuits, Hamiltonian Paths and Circuits, Planner graph, Graph Coloring, Bipartite Graphs, Trees and Rooted Trees, Prefix Codes, Tree Traversals, Spanning Trees and Cut-Sets.

Boolean Algebra: Boolean Functions and its Representation, Simplifications of Boolean Functions.

Optimization: Linear Programming – Mathematical Model, Graphical Solution, Simplex and Dual Simplex Method, Sensitive Analysis; Integer Programming, Transportation and Assignment Models, PERT-CPM: Diagram Representation, Critical Path Calculations, Resource Levelling, Cost Consideration in Project Scheduling.

Unit – 2 : Computer System Architecture

Digital Logic Circuits and Components: Digital Computers, Logic Gates, Boolean Algebra, Map Simplifications, Combinational Circuits, Flip-Flops, Sequential Circuits, Integrated Circuits, Decoders, Multiplexers, Registers and Counters, Memory Unit.

Data Representation: Data Types, Number Systems and Conversion, Complements, Fixed Point Representation, Floating Point Representation, Error Detection Codes, Computer Arithmetic – Addition, Subtraction, Multiplication and Division Algorithms.

Register Transfer and Microoperations: Register Transfer Language, Bus and Memory Transfers, Arithmetic, Logic and Shift Microoperations.

Basic Computer Organization and Design: Stored Program Organization and Instruction Codes, Computer Registers, Computer Instructions, Timing and Control, Instruction Cycle, Memory-Reference Instructions, Input-Output, Interrupt.

Programming the Basic Computer: Machine Language, Assembly Language, Assembler, Program Loops, Subroutines, Input-Output Programming.

Microprogrammed Control: Control Memory, Address Sequencing, Design of Control Unit.

Central Processing Unit: General Register Organization, Stack Organization, Instruction Formats, Addressing Modes, RISC Computer, CISC Computer.

Pipeline and Vector Processing: Parallel Processing, Pipelining, Arithmetic Pipeline, Instruction Pipeline, Vector Processing Array Processors.

Input-Output Organization: Peripheral Devices, Input-Output Interface, Asynchronous Data Transfer, Modes of Transfer, Priority Interrupt, DMA, Serial Communication.

Memory Hierarchy: Main Memory, Auxillary Memory, Associative Memory, Cache Memory, Virtual Memory, Memory Management Hardware.

Multiprocessors: Characteristics of Multiprocessors, Interconnection Structures, Interprocessor Arbitration, Interprocessor Communication and Synchronization, Cache Coherence, Multicore Processors.

Unit – 3 : Programming Languages and Computer Graphics

Language Design and Translation Issues: Programming Language Concepts, Paradigms and Models, Programming Environments, Virtual Computers and Binding Times, Programming Language Syntax, Stages in Translation, Formal Transition Models.

Elementary Data Types: Properties of Types and Objects; Scalar and Composite Data Types.

Programming in C: Tokens, Identifiers, Data Types, Sequence Control, Subprogram Control, Arrays, Structures, Union, String, Pointers, Functions, File Handling, Command Line Argumaents, Preprocessors.

Object Oriented Programming: Class, Object, Instantiation, Inheritance, Encapsulation, Abstract Class, Polymorphism.

Programming in C++: Tokens, Identifiers, Variables and Constants; Data types, Operators, Control statements, Functions Parameter Passing, Virtual Functions, Class and Objects; Constructors and Destructors; Overloading, Inheritance, Templates, Exception and Event Handling; Streams and Files; Multifile Programs.

Web Programming: HTML, DHTML, XML, Scripting, Java, Servlets, Applets.

Computer Graphics: Video-Display Devices, Raster-Scan and Random-Scan Systems; Graphics Monitors, Input Devices, Points and Lines; Line Drawing Algorithms, Mid-Point Circle and Ellipse Algorithms; Scan Line Polygon Fill Algorithm, Boundary-Fill and Flood-Fill.

2-D Geometrical Transforms and Viewing: Translation, Scaling, Rotation, Reflection and Shear Transformations; Matrix Representations and Homogeneous Coordinates; Composite Transforms, Transformations Between Coordinate Systems, Viewing Pipeline, Viewing Coordinate Reference Frame, Window to View-Port Coordinate Transformation, Viewing Functions, Line and Polygon Clipping Algorithms.

3-D Object Representation, Geometric Transformations and Viewing: Polygon Surfaces, Quadric Surfaces, Spline Representation, Bezier and B-Spline Curves; Bezier and B-Spline Surfaces; Illumination Models, Polygon Rendering Methods, Viewing Pipeline and Coordinates; General Projection Transforms and Cipping.

Unit – 4 : Database Management Systems

Database System Concepts and Architecture: Data Models, Schemas, and Instances; Three-Schema Architecture and Data Independence; Database Languages and Interfaces; Centralized and Client/Server Architectures for DBMS.

Data Modeling: Entity-Relationship Diagram, Relational Model – Constraints, Languages, Design, and Programming, Relational Database Schemas, Update Operations and Dealing with Constraint Violations; Relational Algebra and Relational Calculus; Codd Rules.

SQL: Data Definition and Data Types; Constraints, Queries, Insert, Delete, and Update Statements; Views, Stored Procedures and Functions; Database Triggers, SQL Injection.

Normalization for Relational Databases: Functional Dependencies and Normalization; Algorithms for Query Processing and Optimization; Transaction Processing, Concurrency Control Techniques, Database Recovery Techniques, Object and Object-Relational Databases; Database Security and Authorization.

Enhanced Data Models: Temporal Database Concepts, Multimedia Databases, Deductive Databases, XML and Internet Databases; Mobile Databases, Geographic Information Systems, Genome Data Management, Distributed Databases and Client-Server Architectures.

Data Warehousing and Data Mining: Data Modeling for Data Warehouses, Concept Hierarchy, OLAP and OLTP; Association Rules, Classification, Clustering, Regression,
Support Vector Machine, K-Nearest Neighbour, Hidden Markov Model, Summarization, Dependency Modeling, Link Analysis, Sequencing Analysis, Social Network Analysis.

Big Data Systems: Big Data Characteristics, Types of Big Data, Big Data Architecture, Introduction to Map-Reduce and Hadoop; Distributed File System, HDFS.

NOSQL: NOSQL and Query Optimization; Different NOSQL Products, Querying and Managing NOSQL; Indexing and Ordering Data Sets; NOSQL in Cloud.

Unit – 5 : System Software and Operating System

System Software: Machine, Assembly and High-Level Languages; Compilers and Interpreters; Loading, Linking and Relocation; Macros, Debuggers.

Basics of Operating Systems: Operating System Structure, Operations and Services; System Calls, Operating-System Design and Implementation; System Boot.

Process Management: Process Scheduling and Operations; Interprocess Communication, Communication in Client–Server Systems, Process Synchronization, Critical-Section Problem, Peterson's Solution, Semaphores, Synchronization.

Threads: Multicore Programming, Multithreading Models, Thread Libraries, Implicit Threading, Threading Issues.

CPU Scheduling: Scheduling Criteria and Algorithms; Thread Scheduling, Multiple-Processor Scheduling, Real-Time CPU Scheduling.

Deadlocks: Deadlock Characterization, Methods for Handling Deadlocks, Deadlock Prevention, Avoidance and Detection; Recovery from Deadlock.

Memory Management: Contiguous Memory Allocation, Swapping, Paging, Segmentation, Demand Paging, Page Replacement, Allocation of Frames, Thrashing, Memory-Mapped Files.

Storage Management: Mass-Storage Structure, Disk Structure, Scheduling and Management, RAID Structure.

File and Input/Output Systems: Access Methods, Directory and Disk Structure; File-System Mounting, File Sharing, File-System Structure and Implementation; Directory Implementation, Allocation Methods, Free-Space Management, Efficiency and Performance; Recovery, I/O Hardware, Application I/O Interface, Kernel I/O Subsystem, Transforming I/O Requests to Hardware Operations.

Security: Protection, Access Matrix, Access Control, Revocation of Access Rights, Program Threats, System and Network Threats; Cryptography as a Security Tool, User Authentication, Implementing Security Defenses.

Virtual Machines: Types of Virtual Machines and Implementations; Virtualization.

Linux Operating Systems: Design Principles, Kernel Modules, Process Management, Scheduling, Memory Management, File Systems, Input and Output; Interprocess Communication, Network Structure.

Windows Operating Systems: Design Principles, System Components, Terminal Services and Fast User Switching; File System, Networking.

Distributed Systems: Types of Network based Operating Systems, Network Structure, Communication Structure and Protocols; Robustness, Design Issues, Distributed File Systems.

Unit – 6 : Software Engineering

Software Process Models: Software Process, Generic Process Model – Framework Activity, Task Set and

Process Patterns; Process Lifecycle, Prescriptive Process Models, Project Management, Component Based Development, Aspect-Oriented Software Development, Formal Methods, Agile Process Models – Extreme Programming (XP), Adptive Software Development, Scrum, Dynamic System Development Model, Feature Driven Development, Crystal, Web Engineering.

Software Requirements: Functional and Non-Functional Requirements; Eliciting Requirements, Developing Use Cases, Requirement Analysis and Modelling; Requirements Review, Software Requirment and Specification (SRS) Document.

Software Design: Abstraction, Architecture, Patterns, Separation of Concerns, Modularity, Information Hiding, Functional Independence, Cohesion and Coupling; Object-Oriented Design, Data Design, Architectural Design, User Interface Design, Component Level Design.

Software Quality: McCall's Quality Factors, ISO 9126 Quality Factors, Quality Control, Quality Assurance, Risk Management, Risk Mitigation, Monitoring and Management (RMMM); Software Reliability.

Estimation and Scheduling of Software Projects: Software Sizing, LOC and FP based Estimations; Estimating Cost and Effort; Estimation Models, Constructive Cost Model (COCOMO), Project Scheduling and Staffing; Time-line Charts.

Software Testing: Verification and Validation; Error, Fault, Bug and Failure; Unit and Integration Tesing; White-box and Black-box Testing; Basis Path Testing, Control Structure Testing, Deriving Test Cases, Alpha and Beta Testing; Regression Testing, Performance Testing, Stress Testing.

Software Configuration Management: Change Control and Version Control; Software Reuse, Software Re-engineering, Reverse Engineering.

Unit – 7 : Data Structures and Algorithms

Data Structures: Arrays and their Applications; Sparse Matrix, Stacks, Queues, Priority Queues, Linked Lists, Trees, Forest, Binary Tree, Threaded Binary Tree, Binary Search Tree, AVL Tree, B Tree, B+ Tree, B* Tree, Data Structure for Sets, Graphs, Sorting and Searching Algorithms; Hashing.

Performance Analysis of Algorithms and Recurrences: Time and Space Complexities; Asymptotic Notation, Recurrence Relations.

Design Techniques: Divide and Conquer; Dynamic Programming, Greedy Algorithms, Backtracking, Branch and Bound.

Lower Bound Theory: Comparison Trees, Lower Bounds through Reductions.

Graph Algorithms: Breadth-First Search, Depth-First Search, Shortest Paths, Maximum Flow, Minimum Spanning Trees.

Complexity Theory: P and NP Class Problems; NP-completeness and Reducibility.

Selected Topics: Number Theoretic Algorithms, Polynomial Arithmetic, Fast Fourier Transform, String Matching Algorithms.

Advanced Algorithms: Parallel Algorithms for Sorting, Searching and Merging, Approximation Algorithms, Randomized Algorithms.

Unit – 8 : Theory of Computation and Compilers

Theory of Computation: Formal Language, Non-Computational Problems, Diagonal Argument, Russels's Paradox.

Regular Language Models: Deterministic Finite Automaton (DFA), Non-Deterministic Finite Automaton (NDFA), Equivalence of DFA and NDFA, Regular Languages, Regular Grammars, Regular Expressions, Properties of Regular Language, Pumping Lemma, Non-Regular Languages, Lexical Analysis.

Context Free Language: Pushdown Automaton (PDA), Non-Deterministic Pushdown Automaton (NPDA), Context Free Grammar, Chomsky Normal Form, Greibach Normal Form, Ambiguity, Parse Tree Representation of Derivation Trees, Equivalence of PDA's and Context Free Grammars; Properties of Context Free Language.

Turing Machines ™: Standard Turing Machine and its Variations; Universal Turing Machines, Models of Computation and Church-Turing Thesis; Recursive and Recursively-Enumerable Languages; Context-Sensitive Languages, Unrestricted Grammars, Chomsky Hierarchy of Languages, Construction of TM for Simple Problems.

Unsolvable Problems and Computational Complexity: Unsolvable Problem, Halting Problem, Post Correspondence Problem, Unsolvable Problems for Context-Free Languages, Measuring and Classifying Complexity, Tractable and Intractable Problems.

Syntax Analysis: Associativity, Precedence, Grammar Transformations, Top Down Parsing, Recursive Descent Predictive Parsing, LL(1) Parsing, Bottom up Parsing, LR Parser, LALR(1) Parser.

Semantic Analysis: Attribute Grammar, Syntax Directed Definitions, Inherited and Synthesized Attributes; Dependency Graph, Evaluation Order, S-attributed and L-attributed Definitions; Type-Checking.

Run Time System: Storage Organization, Activation Tree, Activation Record, Stack Allocation of Activation Records, Parameter Passing Mechanisms, Symbol Table.

Intermediate Code Generation: Intermediate Representations, Translation of Declarations, Assignments, Control Flow, Boolean Expressions and Procedure Calls.

Code Generation and Code Optimization: Control-flow, Data-flow Analysis, Local Optimization, Global Optimization, Loop Optimization, Peep-Hole Optimization, Instruction Scheduling.

Unit – 9 : Data Communication and Computer Networks

Data Communication: Components of a Data Communication System, Simplex, Half-Duplex and Duplex Modes of Communication; Analog and Digital Signals; Noiseless and Noisy Channels; Bandwidth,

Throughput and Latency; Digital and Analog Transmission; Data Encoding and Modulation Techniques; Broadband and Baseband Transmission; Multiplexing, Transmission Media, Transmission Errors, Error Handling Mechanisms.

Computer Networks: Network Topologies, Local Area Networks, Metropolitan Area Networks, Wide Area Network, Wireless Networks, Internet.

Network Models: Layered Architecture, OSI Reference Model and its Protocols; TCP/IP Protocol Suite, Physical, Logical, Port and Specific Addresses; Switching Techniques.

Functions of OSI and TCP/IP Layers: Framing, Error Detection and Correction; Flow and Error Control; Sliding Window Protocol, HDLC, Multiple Access – CSMA/CD, CSMA/CA, Reservation, Polling, Token Passing, FDMA, CDMA, TDMA, Network Devices, Backbone Networks, Virtual LANs.

Ipv4 Structure and Address Space; Classful and Classless Addressing; Datagram, Fragmentation and Checksum; Ipv6 Packet Format, Mapping Logical to Physical Address (ARP), Direct and Indirect Network Layer Delivery; Routing Algorithms, TCP, UDP and SCTP Protocols; Flow Control, Error Control and Congestion Control in TCP and SCTP.

World Wide Web (WWW): Uniform Resource Locator (URL), Domain Name Service (DNS), Resolution – Mapping Names to Addresses and Addresses to Names; Electronic Mail Architecture, SMTP, POP and IMAP; TELNET and FTP.

Network Security: Malwares, Cryptography and Steganography; Secret-Key Algorithms, Public-Key Algorithms, Digital Signature, Virtual Private Networks, Firewalls.

Mobile Technology: GSM and CDMA; Services and Architecture of GSM and Mobile Computing; Middleware and Gateway for Mobile Computing; Mobile IP and Mobile Communication Protocol; Communication Satellites, Wireless Networks and Topologies; Cellular Topology, Mobile Adhoc Networks, Wireless Transmission and Wireless LANs; Wireless Geolocation Systems, GPRS and SMS.

Cloud Computing and IoT: SaaS, PaaS, IaaS, Public and Private Cloud; Virtualization, Virtual Server, Cloud Storage, Database Storage, Resource Management, Service Level Agreement, Basics of IoT.

Unit – 10 : Artificial Intelligence (AI)

Approaches to AI: Turing Test and Rational Agent Approaches; State Space Representation of Problems, Heuristic Search Techniques, Game Playing, Min-Max Search, Alpha Beta Cutoff Procedures.

Knowledge Representation: Logic, Semantic Networks, Frames, Rules, Scripts, Conceptual Dependency and Ontologies; Expert Systems, Handling Uncertainty in Knowledge.

Planning: Components of a Planning System, Linear and Non Linear Planning; Goal Stack Planning, Hierarchical Planning, STRIPS, Partial Order Planning.

Natural Language Processing: Grammar and Language; Parsing Techniques, Semantic Analysis and Prgamatics.

Multi Agent Systems: Agents and Objects; Agents and Expert Systems; Generic Structure of Multiagent System, Semantic Web, Agent Communication, Knowledge Sharing using Ontologies, Agent Development Tools.

Fuzzy Sets: Notion of Fuzziness, Membership Functions, Fuzzification and Defuzzification; Operations on Fuzzy Sets, Fuzzy Functions and Linguistic Variables; Fuzzy Relations, Fuzzy Rules and Fuzzy Inference; Fuzzy Control System and Fuzzy Rule Based Systems.

Genetic Algorithms (GA): Encoding Strategies, Genetic Operators, Fitness Functions and GA Cycle; Problem Solving using GA.

Artificial Neural Networks (ANN): Supervised, Unsupervised and Reinforcement Learning; Single Perceptron, Multi Layer Perceptron, Self Organizing Maps, Hopfield Network.

Part – 2
Yogic Sciences

Total Number of Questions: 35 **Total Marks: 70**

Syllabus

UNIT- 1 Fundamentals of Yoga: History and Various Schools of Yoga

- History and Development of Yoga; Meaning & Definitions, Misconceptions, Aim and Objectives of Yoga.
- Introduction to Vedas, Upanishads and Prasthanatrayee; Concept of Purushartha Chatushtaya
- Basic concepts of Shad-darshanas- Epistemology, Metaphysics, Ethics and Liberation with special emphasis to Samkhya, Yoga and Vedanta Darshana.
- Introduction to Epics and Smriti- yoga in Ramayana (Aranyakand), Mahabharata (Shantiparva) and Yajnavalkya Smriti
- Brief introduction and yogic contribution of Maharshi Patanjali and Guru Gorakshanath Traditions.
- Yoga in Narada Bhaktisutra and Yoga in the Literature of Saints- Kabirdas, Tulasidas and Surdas.
- Yoga in Modern Times: Yogic Traditions of Swami Vivekananda, Shri Aurobindo; Maharshi Ramana and Maharshi Dayanand Saraswati
- Yoga in Contemporary Times: Brief Introduction of Sri Shyamacharan Lahidi ,Sri T. Krishnamacharya, Swami Shivanada Saraswati, Swami Rama of Himalayas, Maharshi Mahesh Yogi, Pt. Sri Ram Sharma Acharya and their contribution for the development and promotion of Yoga.
- Introduction to Jnanayoga, Bhaktiyoga, Karmayoga, Rajayoga, Hathayoga and Mantra Yoga
- Elements of Yoga in Jainism and Buddhism.

UNIT- 2

Yogic Texts- I: Principal Upanishads, BhagavadGita, Yoga Vasishtha Principal Upanishads

Brief Introduction of Ten Principal Upanishads.

Ishavasyopanishad: Concept of Karmanishta; Concept of Vidya and Avidya; Knowledge of Brahman; Atma Bhava.

KenaUpanishad: Self and the Mind; Intuitive realization of the truth; Moral of Yaksha Upakhyana.

KathaUpanishad: Definition of Yoga; Nature of Soul; Importance of Self Realization.

Prashna Upanishad: Concept of Prana and rayi (creation); Panchapranas; The six main questions;

Mundaka Upanishad: Two approaches to Brahma- Vidya- Para and Apara; The greatness of Brahmavidya; Worthlessness of Selfish-karma; Tapas and Gurubhakti; The origin of creation, the ultimate aim of Meditation- Brahmanubhuti.

Mandukya Upanishad: Four States of Consciousness and their relation to syllables in Omkara.

Aitareya Upanishad: Concept of Atma, Universe and Brahman.

Taittiriya Upanishad: Concept of Pancha Kosha; Summary of Shiksha Valli, AnandaValli, Bhriguvalli.

Chhandogya Upanishad: Om (udgitha) Meditation; Shandilyavidya.

Brihadaranyaka Upanishad: Concept of Atman and Jnana Yoga; Union of Atman and Paramatman

Bhagavad Gita

General Introduction to Bhagavad Gita, Definitions of Yoga, their relevance & Scope; Essentials of Bhagavad Gita – meanings of the terms Atmaswarupa, Stithaprajna, Sankhya Yoga (Chpt.II), Karma Yoga (Chpt.III), Samnyasa Yoga and Karma Swarupa (Sakama and Nishkama) Samnyasa, Dhyana Yogas (Chpt. VI); Types of Bhakta(Chpt. VII) Nature of Bhakti (Chpt.XII), Means and End of Bhakti-Yoga; The Trigunas and nature of Prakriti; Three Kinds of Faith. Food for Yoga-Sadhaka, Classification of food (Chpt.XIV & XVII) Daivasura-Sampad-Vibhaga Yoga (Chpt.XVI);Moksa-SamnyasaYoga (Chpt. XVIII)

Yoga Vasishtha:

Salient features of Yoga Vashitha, Concept of Adhis and Vyadhis; Psychosomatic Ailments; The four Dwarpaals to Freedom; How Sukha is attained in the Highest State of Bliss; Practices to overcome the Impediments of Yoga; Development of Satvaguna; Eightlimbs of Meditation; Jnana Saptabhumika.

UNIT- 3

Yogic texts- II: Yoga Upanishads:

- **Swetaswataropanishad:** (Chapter II) Techniques and Importance of Dhyanyoga, suitable place for Dhyana, sequence of pranayama & its importance, Prior symptoms of Yogasiddhis, Importance of Yogasiddhis , Tattvajna, (ChapterVI) Nature of God, techniques for Realization, Attainment of liberation.
- **Yogakundali Upanishad:** Methods of Pranayama Siddhi, Types of Pranayama, means of Self -realization.
- **Yogachudamadi Upanishad:** The description of the six limbs of yoga, their results and sequence
- **Trishikhibrahmanopanishad:** description of Ashtangayoga, Karmayoga and Jnanayoga.
- **Yogatattva Upnishad:** Mantrayoga, Layayoga, Hathyoga, Rajayoga and their stages, diet and Dincharya, primary symptoms of yoga siddhis and precautions.
- **Dhyanbindoopanishad:** importance of Dhyanayoga, Nature of Pranav, Techniques of Pranav meditation, Shadangyoga, Atmadarshan through Nadanusandhan.
- **Nadabindoopanishad:** Hansavidya : description of various limbs of Omkar, 12 matras of omkar and its results of their application with Pranas, Types of nadas, nature of nadanusandhan sadhana, state of Manolaya.

- **Yogarajopnishad:** Mantrayoga, Layayoga, Hathayoga, Rajayoga, nine chakras, procedures of Dhyana and its results.

UNIT- 4

Patanjala Yoga Sutra:

SAMADHI PAADA : Yoga, meaning & Nature of yoga; Concept of Chitta, Chitta-Bhumis, Chitta-Vrittis, Chitta-Vrittinirodhopaya, Abhyasa and Vairagya as the tools, Concept of Bhavapratyaya & Upaypratayaya, Sadhan Panchak, Chitta-Vikshepas (Antaraya), Ektattva Abhyasa,Chitta-prasadanam. Types and nature of Samadhi: Adhyatmaprasada and Ritambharaprajna; Samprajnata, Asamprajnata, Sabeeja & Nirbeeja Samadhi, Difference between Samapattis and Samadhi; Concept of Ishwara and attributes of Ishwara, Process of Ishwarapranidhana.

SADHANA PAADA: Concept of Kriya Yoga , theory of Kleshas ; Concept of Karmashaya and Karmvipaka, Nature of dhukha, Concept of Chaturvyuhavada, Drishyanirupanam,
Drasthanirupanam, Prakriti-Purusha Samyoga; Brief Introduction to Ashtanga Yoga; Yama-Niyama; Concept of Vitarka & Mahavrata; Asana, Pranayama, Pratyahara and their siddhis.

VIBHUTI PAADA: Introduction of Dharana, Dhyana and Samadhi, Nature of Sanyama; Concept of Chitta samskara, Parinamatraya and vibhutis.

KAIVALYA PAADA: Five means of Siddhis, concept of Nirman Chitta, Importance of siddhis achieved through Samadhi, Four types of Karmas; Concept of Vasana; Dharmamegh Samadhi and its result, Viveka Khyati Nirupanam, Kaivalya Nirvachana.

UNIT-5

Hatha Yoga texts

- **Introduction to Hatha Yoga and Hatha Yoga Texts.** Yoga Beeja, Goraksha Samhita, Vashishtha Samhita, Shiva Samhita, Siddhasiddhantapaddhati, Hatha Pradeepika, Gheranda Samhita and Hatha Ratnavali. Aim & objectives,misconceptions about Hathayoga, prerequisites of Hathayoga (dasha yama and dasha niyama),Sadhaka and Badhaka tattvas in Hathayoga; Concept of Ghata, Ghatashuddhi, Concept and importance of Shodhana kriyas in Hathayoga; Importance of Shodhana kriyas in health and disease; Concept of Matha, Mitaahara, Rules & Regulations to be followed by Hatha Yoga Sadhakas;
- **Asanas in Hatha Texts:** Definition, pre requisites and special features of Yoga-asana; Asanas in Hatha Pradeepika, Hatha Ratnavali, Shiv Samhita, Vasishtha Samhita,Gheranda Samhita-benefits, precautions and contra indications of different Asanas;
- **Pranayama in Hatha Texts:** - Concept of Prana and Pranayama; Pranayama-its phases and stages; Prerequisites of Pranayama in Hathayoga Sadhana; Pranayama in Hatha Pradeepika, Gheranda Samhita; Shiv Samhita, Vashishtha Samhita-benefits, precautions and contra indications of different Pranayama.
- **Bandha, Mudra and other practices:** Concept and definition of Bandha and Mudras in Hatha Pradeepika, Hatha Ratnavali and Gheranda Samhita; Shiv Samhita, Vashishtha Samhita-benefits, precautions and contra indications. Concept, definition, benefits and Techniques of Pratyahara, Dhyana in Gheranda Samhita; Concept and benefits of Nada and Nadanusandhana in Hatha Pradeepika, Four (stages) Avasthas of Nadanusandhana; Relationship between Hatha Yoga and Raja Yoga; Goal of Hatha Yoga. Relevance of Hatha Yoga in contemporary times.

UNIT-6 General Psychology

- **Introduction to Altered States of Consciousness**
  Sleep: Stages of Sleep, Sleep Disorders;
- **Behavioural Psychology:** Psychology as a Science of Behaviour; Psychological basis of behaviour;
- **Personality:** Nature and Types of Personality; Determinants of Personality: Heredity and Environment; Facets and Stages of Personality Development;
- **Cognitive Psychology:** Sensation, Perception, Attention, Memory, Learning: - Their definitions and types,

Mental Health; Causes and Consequences of Mental Conflicts and Frustrations; Introduction to Common mental disorders: Insomnia, Depression, Stress, Anxiety disorders

Introduction to Human Anatomy and Physiology

- Introduction to cell, tissue, organs and systems; Basic cell physiology-Cell-Introduction, Cell Organelles, Cell membrane, Movement of the substances and water through the cell membrane, Bioelectric potentials.
- Musculoskeletal systems: Skeleton – names of all bones, joints and muscles, cartilage, tendon and ligaments, types of bone, joints and their functions; spine, muscles and their functions; Skeletal muscles – Properties of skeletal muscles, Muscular contraction and relaxation, Neuromuscular junction, Sarcotubular system, Smooth muscle-mechanism of contraction
- Digestive and excretory system: Anatomy of digestive system, excretory system (component organs) and their functions; Gastro intestinal system- General structure of alimentary canal, Gastric secretion, Pancreatic secretion, Gastric motility-digestive peristalsis Gastrointestinal hormones.
- Renal physiology- Structure of kidney, Nephrons, Juxtra glomerular filtrate, Reabsorption, Secretion-mechanism of secretion, Concentrating and diluting mechanism of urine, Dialysis
- Nervous system and glands: Structure and properties of neurons, subdivisions of nervous system and their functions, types of glands (endocrine and exocrine glands), important endocrine and exocrine glands and types of hormones their functions.
- Sensory nervous system, Motor nervous system, Higher functions of the nervous system, Synapse, Reflexes Cerebrospinal fluid, Blood brain and blood CSF barrier
- Cardiovascular and respiratory system: Components of cardiovascular and respiratory system; functions of cardiovascular and respiratory system; Circulatory system-Functional anatomy of the heart, Properties of cardiac muscles, Conducting system of the heart, Pressure changes during cardiac cycles, Capillary

circulation, Arterial and venous blood pressure; Respiratory system-Mechanism of breathing, Ventilation, Regulation of respiration, Transport of gases, Hypoxia, Artificial ventilation, Non respiratory functions of the lungs

- Immune system: Component organs of immune system, Functions of immune system; Endocrinology-Endocrine glands, hormones, their functions;
- Reproductive system: Anatomy of male and female reproductive systems
- Diet and Nutrition
- Basic concepts and components of food and nutrition Understanding Nutrition, Basic Terminology in Relation to Nutrition Requirement, Human Nutritional Requirements; Concept of food, Acceptance of Food, Functions of Food; Components of Food & their Classification; Macro Nutrients –Sources, Functions and Effects on the Body; Micro Nutrients – Sources, Functions and Effects on the Body; Fat Soluble Nutrients – Sources, Functions and Effects on the Body; Water soluble Nutrients – Sources, Functions and Effects on the Body; Significance of Carbohydrate, Proteins, Lipids, Vitamins, Minerals and water, Excessive and deficiency diseases of nutrients in the body; Antioxidants and their Role;
- Yogic concept of diet and its relevance in the management of lifestyle
- Nutrients, proximate principles of diet, balanced diet concept; Carbohydrates, proteins, fats – sources, nutritive values, importance; Minerals-calcium, iron, phosphorus etc. Vitamins – sources, roles, requirements
- Food groups.
  Cereals & Millets –Selection, Preparation and Nutritive Value; Pulses, Nuts and Oil Seeds- Selection, Preparation and Nutritive Value; Milk and Milk Products- Selection, Preparation and Nutritive Value; Vegetables and Fruits- Selection, Preparation and Nutritive Value, Fats, Oils and Sugar, Jaggery, Honey, sprouts- Selection, Preparation and Nutritive Value
- Food and metabolism. Energy- Basic Concepts, Definition and Components of Energy Requirement, Energy Imbalance Concept of Metabolism, Anabolism, Catabolism, Calorie Requirement-BMR, SDA, Physical Activity; Metabolism of Carbohydrates, Lipids and Protein; Factors Affecting Energy; Requirement and Expenditure, Factors affecting BMR.

UNIT-7 Yoga and Health

- Definition & Importance of Health According to WHO; Dimensions of Health: Physical, Mental, Social and Spiritual;
- Concepts of Trigunas, Pancha-mahabhutas, Pancha-prana and their role in Health and Healing; Concept of Pancha-koshas & Shat-chakra and their role in Health and Healing;
- Role of Yoga in preventive health care – Yoga as a way of life, Heyamdukhamanagatam; Potential causes of Ill-health: Tapatrayas and Kleshas, Physical and Physiological manifestation of Disease: Vyadhi, Alasya, Angamejayatva and Ssvasa-prashvasa.
- Mental and Emotional ill Health: Styana, Samshaya, Pramada, Avirati, Bhranti-darsana, Alabdha-bhumikatva, Anavasthitatva, Duhkha and Daurmanasya
- Yogic Diet – General Introduction of Ahara; Concept of Mitahara; Classification in Yogic diet according to traditional Yoga texts; Diet according to the body constitution (Prakriti) – Vata, Pitta and Kapha as also Gunas.
- Concepts of Diet: Pathya and Apathya according to Gheranda Samhita, Hathapradeepikaand Bhagavad Gita; Importance of Yogic Diet in Yog Sadhana and its role in healthy living; Diet according to the body constitution (Prakriti) – Vata, Pitta and Kapha as also Gunas.
- Yogic Principles of Healthy Living: Ahara, Vihara, Achara and Vichara; Role of Yogic Positive Attitudes (Maitri, Karuna, Mudita and Upeksha) for Healthy Living, Concept of Bhavas and Bhavanas with its relevance in Health and well-being

UNIT-8 Therapeutic Yoga –

- **Yogic Practice –** Management of the diseases through suitable yogic practices – Yogic diet, Yama and Niyama, Shatkarma, Asanas, Pranayama; Meditation; changes in lifestyle according to yogic scriptures.
- **Integrated Approach of Yoga therapy for the following Common Ailments:**
- **Respiratory disorders –** Allergic Rhinitis & Sinusitis: Chronic Bronchitis, Bronchial asthama
- **Cardiovascular disorders:** Hypertension, Angina pectoris, Cardiac asthma:
- **Endocrinal and Metabolic Disorder –** Diabetes Mellitus, Hypo and Hyper- Thyroidism; Obesity: Metabolic Syndrome
- **Obstetrics and Gynecological Disorders, Menstrual Disorders:** Dysmenorrhea, Menopause and peri-menopausal syndrome: Yoga for Pregnancy and Childbirth, Ante-natal care, Post-natal care.
- **Gastrointestinal Disorders:** Gastritis, Indigestion, Peptic Ulcers, Constipation, Diarrhoea, Irritable Bowel Syndrome, colitis, Piles.
- **Muscular-Skeletal Disorders:** Back Pain, Intervertebral disc prolapse (IVDP) Lumbar Spondylosys, Cervical Spondylosis, , Arthritis
- **Neurological Disorders:** Migraine, Tension-headache, Epilepsy
- **Psychiatric Disorders:** Neurosis, Anxiety disorders, Phobias, Depression.

UNIT-9 Applications of Yoga

- **Applied Philosophy:** Yoga as Applied philosophy; Meaning, definition and nature of consciousness as described in Vedas,, Upanishads, Bhagwad Gita, Yogasutra and Yogavashishtha; Spiritual and scientific approach to human consciousness. Yogic Method of elevation of human consciousness: Bhaktiyoga, Jnanyoga, Karmayoga, Mantrayoga, Ashtangayoga, Hathayoga.
- **Yoga in Education:** Salient features of Yoga Education, Factors of Yoga Education; Teacher, Student and Teaching, Value based education- Meaning and definition, types of values.

- **Teaching Methodology in Yoga:** Teaching and Learning: Concepts and Relationship between the two; Principles of Teaching: Meaning and scope of Teaching methods and factors influencing them; Teaching techniques- Individual, group and mass
- **Essentials of Good Lesson Plan:** concepts, needs, planning of teaching Yoga (Shodhanakriya, Asana, Mudra, Pranayama & Meditation)
- Models of Lesson Plan; need for a lesson plan and content plan; Eight Step method of Introduction as developed in Kaivalyadhama.
- Evaluation methods of an ideal Yoga class; Methods of customizing Yoga class to meet individual needs. The student will have demonstrations and training in the abovementioned aspects of teaching methods.
- Yoga classroom: Essential features, Area, Sitting arrangement in Yoga class, Student's approach to the teacher: Pranipaata; Pariprashna; Seva; (BG 4.34)

UNIT-10 Practical Yoga

Yogic Practices – Shatkarma, Asana, Pranayama, Mudra, Bandha, Dhyana, Surya Namaskara (Techniques, Salient Features, Benefits)

- **Shatkarmas:** Vamandhauti, Vastradhauti, Dandadhauti, Laghoo and Poorna sankhaprakshalana, Neti (Sutra and Jala), Kapalbhati(Vaatkrama,Vyutakrama & Sheetkarma), Agnisara, Nauli, Tratak
- **Suryanamaskar-** Suryanamaskar must be practiced traditionally
- **Asanas (yogic postures)** Standing Postures- Ardhakatichakrasana, Padahastasana, Ardhachakrasana, Trikonasana, Parivrittatrikonasana, Parsvakonasana, Veerasana.
- Sitting postures-Paschimottanasana, Suptavajrasana, Ardhamatsyendrasana, Vakrasana, Baddhakonasana, Merudandasana, Akarnadhanurasana, Gomukhasana,
- Prone postures- Bhujangasana, Shalabhasana, Dhanurasana, Urdhvamukhosvanasana, Makarasana,
- Supine postures- Halasana, Chakrasana, Sarvangasana, Matsyasana, Shavasana, Setubandhasana,
- Balancing postures- Vrikshasana, Garudasana, Namaskarasana, Tittibhasana, Natrajasana
- **Pranayama:** Breath awareness, Sectional breathing, Nadishuddhi, Suryabhedan, , Ujjai , Sitali, Sitkari, Bhastrika, Bhramari, Bahyavritti, Abhyantarvritti, Stambhavritti Pranayama
- **Practices leading to Meditation:** Pranav and Soham Japa, Yoga Nidra, Antarmauna, Ajapa Jap, Practices leading to Breath Meditation, Practices leading to Om Meditation, Practices leading to Vipassana Meditation, Practices leading to Preksha Meditation
- **Bandhas and Mudras:** Mula Bandha, Jalandhara Bandha, Uddiyana Bandha, Maha Bandha, Yoga Mudra, Maha Mudra, Shanmukhi Mudra, Tadagi Mudra, VipareetKarni Mudra
- **Contemporary Yogic Practices** – Yogic Sukshma Vyayama (Swami Dheerandra Brahmchari), Cyclic Meditation (S-VYASA); Mind Sound Resonance Technique (S-VYASA); Transcendental Meditation (Maharshi Mahesh Yogi); Yoga Nidra (BSY); Savita Ki Dhyan Dharana (DSVV).

अनुक्रमणिका की क्रम संख्या 15 के अंतर्गत उल्लिखित हिन्दी विषय का पाठ्यक्रम

भाग -1
हिन्दी

कुल प्रश्न 15 **कुल अंक 30**

	पाठ्यक्रम	प्रश्न	अंक
1.	**शिक्षण अभिवृत्ति** • शिक्षण – अवधारणाएं, उद्देश्य, शिक्षण का स्तर (स्मरण शक्ति, समझ और विचारात्मक), विशेषताएं और मूल अपेक्षाएं • शिक्षार्थी की विशेषताएं – किशोर और वयस्क शिक्षार्थी की अपेक्षाएं (शैक्षिक, सामाजिक /भावनात्मक और संज्ञानात्मक), व्यक्तिगत भिन्नताएँ • शिक्षण प्रभावक तत्त्व – शिक्षक, सहायक सामग्री, संस्थागत सुविधाएं, शैक्षिक वातावरण • उच्च अधिगम संस्थाओं में शिक्षण की पद्धति : अध्यापक केंद्रित बनाम शिक्षार्थी केंद्रित पद्धति, ऑफ लाइन बनाम ऑन-लाइन पद्धतियां (स्वयं, स्वयंप्रभा, मूक्स इत्यादि)। • शिक्षण सहायक प्रणाली – परंपरागत आधुनिक और आई सी टी आधारित। • मूल्यांकन प्रणालियां – मूल्यांकन के तत्त्व और प्रकार, उच्च शिक्षा में विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली में मूल्यांकन, कंप्यूटर आधारित परीक्षा, मूल्यांकन पद्धतियों में नवाचार।	3	6
2.	**शोध अभिवृत्ति** • शोध – अर्थ, प्रकार और विशेषताएँ, प्रत्यक्षवाद एवं उत्तरप्रत्यक्षवाद शोध के उपागम। • शोध पद्धतियाँ – प्रयोगात्मक, विवरणात्मक, ऐतिहासिक, गुणात्मक एवं मात्रात्मक। • शोध के चरण। • शोध प्रबंध एवं आलेख लेखन – फॉर्मेट और संदर्भ की शैली। • शोध में आई.सी.टी. का अनुप्रयोग। • शोध नैतिकता।	3	6
3.	**सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.)** • आई.सी.टी. – सामान्य संकल्पनाएँ और शब्दावली। • इंटरनेट, इंट्रानेट, ई–मेल, श्रव्य–दृश्य कॉन्फ्रेंसिंग की मूलभूत बातें। • उच्च शिक्षा में डिजिटल पहलें। • आई.सी.टी. और सुशासन।	3	6
4.	**राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020**	3	6
5.	**हिन्दी भाषा दक्षता**	3	6

भाग -2
हिन्दी

प्रश्न – 35 **अंक – 70**

पाठ्यक्रम

इकाई – 1 : हिन्दी भाषा और उसका विकास।

हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं– पालि, प्राकृत – शौरसेनी, अर्द्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं, अपभ्रंश अवहठ, और पुरानी हिन्दी का संबंध, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और उनका वर्गीकरण। हिन्दी का भौगोलिक विस्तार : हिन्दी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी वर्ग और उनकी बोलियां। खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएं। हिन्दी के विविध रूप : हिन्दी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी। हिन्दी का भाषिक स्वरूप : हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था – खंड्य और खंड्येतर, हिन्दी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार, हिन्दी शब्द रचना –उपसर्ग, प्रत्यय, समास, हिन्दी की रूप रचना – लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के सन्दर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रुप, हिन्दी – वाक्य – रचना। हिन्दी भाषा – प्रयोग के विविध रूप : बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा और सम्पर्क भाषा। संचार माध्यम और हिन्दी, कम्प्यूटर और हिन्दी, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति। देवनागरी लिपि : विशेषताएं और मानकीकरण।

इकाई – 2 : हिन्दी साहित्य का इतिहास

- हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन
- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियां
- हिन्दी साहित्य का कालविभाजन और नामकरण, आदिकाल की विशेषताएं एवं साहित्यिक प्रवृत्तियां, रासो-साहित्य, आदिकालीन हिन्दी का जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली तथा लौकिक साहित्य
- भक्तिकाल
- भक्ति-आंदोलन के उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण, भक्ति-आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तःप्रादेशिक वैशिष्ट्य।
- भक्ति काव्य की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आलवार सन्त। भक्ति काव्य के प्रमुख सम्प्रदाय और उनका वैचारिक आधार। निर्गुण-सगुण कवि और उनका काव्य।
- रीतिकाल
- सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियां (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त)
- रीतिकावियों का आचार्यत्व।
- रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य
- आधुनिक काल
- हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास। भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य, 1857 की क्रान्ति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु और उनका युग, पत्रकारिता का आरम्भ और 19वीं शताब्दी की हिन्दी पत्रकारिता, आधुनिकता की अवधारणा।
- द्विवेदी युग : महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिन्दी नवजागरण और सरस्वती, राष्ट्रीय काव्य धारा के प्रमुख कवि, स्वच्छन्दतावाद और उसके प्रमुख कवि।
- छायावाद : छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएं, छायावाद के प्रमुख कवि, प्रगतिवाद की अवधारणा, प्रगतिवादी काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रयोगवाद और नई कविता, नई कविता के कवि, समकालीन कविता (वर्ष 2000 तक) समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता।

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएं

- हिन्दी उपन्यास: भारतीय उपन्यास की अवधारणा। प्रेमचन्द पूर्व उपन्यास, प्रेमचन्द और उनका युग। प्रेमचन्द के परवर्ती उपन्यासकार (वर्ष 2000 तक)।
- हिन्दी कहानी: हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास, 20वीं सदी की हिन्दी कहानी और प्रमुख कहानी आंदोलन एवं प्रमुख कहानीकार।
- हिन्दी नाटक: हिन्दी नाटक और रंगमंच, विकास के चरण, भारतेन्दुयुग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग, स्वातंत्र्योत्तर युग, साठोत्तर युग और नया नाटक। प्रमुख नाट्यकृतियाँ, प्रमुख नाटककार (वर्ष 2000 तक)। हिन्दी एकांकी। हिन्दी रंगमंच और विकास के चरण, हिन्दी का लोक रंगमंच। नुक्कड़ नाटक।
- हिन्दी निबंध: हिन्दी निबन्ध का उद्भव और विकास, हिन्दी निबंध के प्रकार और प्रमुख निबंधकार।
- हिन्दी आलोचना: हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास। समकालीन हिन्दी आलोचना एवं उसके विविध प्रकार। प्रमुख आलोचक।
- हिन्दी की अन्य गद्य विधाएं : रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा साहित्य, आत्मकथा, जीवनी और रिपोर्ताज, डायरी।

- हिन्दी का प्रवासी साहित्य : अवधारणा एवं प्रमुख साहित्यकार।

इकाई – 3 :साहित्यशास्त्र

- काव्य के लक्षण, काव्य हेतु और काव्य प्रयोजन।
- प्रमुख संप्रदाय और सिद्धान्त – रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य।
- रस निष्पत्ति, साधारणीकरण।
- शब्दशक्ति, काव्यगुण, काव्य दोष
- प्लेटो के काव्य सिद्धान्त।
- अरस्तू : अनुकरण सिद्धान्त, त्रासदी विवेचन, विरेचन सिद्धान्त।
- वड्र्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धान्त।
- कॉलरिज : कल्पना और फैंटेसी।
- टी.एस.इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, परम्परा की अवधारणा।
- आई.ए.रिचड्र्स : मूल्य सिद्धान्त, संप्रेषण सिद्धान्त तथा काव्य-भाषा सिद्धान्त। रूसी रूपवाद।
- नयी समीक्षा। मिथक, फन्तासी, कल्पना, प्रतीक, बिम्ब।

इकाई – 4 : वैचारिक पृष्ठभूमि

- भारतीय नवजागरण और स्वाधीनता आन्दोलन की वैचारिक पृष्ठभूमि
- हिन्दी नवजागरण। खड़ीबोली आन्दोलन। फोर्ट विलियम कॉलेज
- भारतेन्दु और हिन्दी नवजागरण
- महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण
- गांधीवादी दर्शन
- अम्बेडकर दर्शन
- लोहिया दर्शन
- मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकतावाद, अस्मितामूलक विमर्श (दलित, स्त्री, आदिवासी एवं अल्पसंख्यक)

इकाई – 5 : हिन्दी कविता

- पृथ्वीराज रासो – रेवा तट
- अमीरखुसरो – खुसरों की पहेलियाँ और मुकरियाँ
- विद्यापति की पदावली (संपादक – डॉ. नरेन्द्र झा) – पद संख्या 1 – 25
- कबीर – (सं.- हजारी प्रसाद द्विवेदी) – पद संख्या – 160 – 209
- जायसी ग्रंथावली – (सं. राम चन्द्र शुक्ल) – नागमती वियोग खण्ड
- सूरदास – 'भ्रमरगीत सार – (सं.- राम चन्द्र शुक्ल) – पद संख्या 21 से 70
- तुलसीदास – रामचरितमानस, उत्तर काण्ड
- बिहारी सतसई – (सं.- जगन्नाथ दास रत्नाकर) – दोहा संख्या 1 – 50
- घनानन्द कवित्त – (सं.- विश्वनाथ मिश्र) – कवित्त संख्या 1 – 30
- मीरा – (सं.- विश्वनाथ त्रिपाठी) – प्रारम्भ से 20 पद
- अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध – प्रियप्रवास
- मैथिलीशरण गुप्त – भारत भारती, साकेत (नवम् सर्ग)
- जयशंकर प्रसाद – आंसू, कामायनी (श्रद्धा, लज्जा, इड़ा)
- निराला – जुही की कली, जागो फिर एक बार, सरोजस्मृति, राम की शक्तिपूजा, कुकुरमुत्ता, बाँधो न नाव इस ठाँव बंधु।
- सुमित्रानंदन पंत – परिवर्तन, प्रथम रश्मि
- महादेवी वर्मा – बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मै नीर भरी दुख की बदली, फिर विकल है प्राण मेरे, यह मन्दिर का दीप इसे नीरव जलने दो, द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र
- रामधारी सिंह दिनकर – उर्वशी (तृतीय अंक), रश्मिरथी
- नागार्जुन – कालिदास, बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, खुरदरे पैर, शासन की बंदूक, मनुष्य हूँ।
- सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय – कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, हरी घास पर क्षण भर, असाध्यवीणा, कितनी नावों में कितनी बार
- भवानीप्रसाद मिश्र – गीत फरोश, सतपुड़ा के जंगल
- मुक्तिबोध – भूल गलती, ब्रह्मराक्षस, अंधेरे में
- धूमिल – नक्सलवाड़ी, मोचीराम, अकाल दर्शन, रोटी और संसद

इकाई – 6

हिन्दी उपन्यास

- पं. गौरीदत्त – देवरानी जेठानी की कहानी
- लाला श्रीनिवास दास – परीक्षा गुरू
- प्रेमचन्द – गोदान
- अज्ञेय – शेखर एक जीवनी (भाग – 1)
- हजारी प्रसाद द्विवेदी – बाणभट्ट की आत्मकथा
- फणीश्वर नाथ रेणु – मैला आंचल
- यशपाल – झूठा सच
- अमृत लाल नागर – मानस का हंस
- भीष्म साहनी – तमस
- श्रीलाल शुक्ल – राग दरबारी
- कृष्णा सोबती – जिन्दगी नामा
- मन्नू भंडारी – आपका बंटी
- जगदीश चन्द्र – धरती धन न अपना

इकाई – 7I : हिन्दी कहानी

- राजेन्द्र बाला घोष (बंग महिला) – चन्द्रदेव से मेरी बातें, दुलाईवाली
- माधवराव सप्रे – एक टोकरी भर मिट्टी
- सुभद्रा कुमारी चौहान – राही
- प्रेमचंद – ईदगाह, दुनिया का अनमोल रतन
- राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह – कानों में कंगना
- चन्द्रधर शर्मा गुलेरी – उसने कहा था
- जयशंकर प्रसाद – आकाशदीप
- जैनेन्द्र – अपना–अपना भाग्य
- फणीश्वरनाथ रेणु – तीसरी कसम, लाल पान की बेगम
- अज्ञेय – गैंग्रीन
- शेखर जोशी – कोसी का घटवार
- भीष्म साहनी – अमृतसर आ गया है, चीफ की दावत
- कृष्णा सोबती – सिक्का बदल गया
- हरिशंकर परसाई – इन्स्पेक्टर मातादीन चांद पर
- ज्ञानरंजन – पिता
- कमलेश्वर – राजा निरबंसिया
- निर्मल वर्मा – परिंदे

इकाई – 8 : हिन्दी नाटक

- भारतेन्दु – अंधेर नगरी, भारत दुर्दशा
- जयशंकर प्रसाद – चन्द्रगुप्त, स्कंदगुप्त, ध्रुवस्वामिनी
- धर्मवीर भारती – अंधायुग
- लक्ष्मीनारायण लाल – सिंदूर की होली
- मोहन राकेश – आधे-अधूरे, आषाढ़ का एक दिन
- हबीब तनवीर – आगरा बाज़ार
- सर्वेश्वरदयाल सक्सेना – बकरी
- शंकरशेष – एक और द्रोणाचार्य
- उपेन्द्रनाथ अश्क – अंजो दीदी
- मन्नू भंडारी – महाभोज

इकाई – 9 : हिन्दी निबंध

- भारतेन्दु – दिल्ली दरबार दर्पण, भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है
- प्रताप नारायण मिश्र – शिवमूर्ति
- बाल कृष्ण भट्ट – शिवशंभु के चिट्ठे
- रामचन्द्र शुक्ल – कविता क्या है
- हजारी प्रसाद द्विवेदी – नाखून क्यों बढ़ते हैं
- विद्यानिवास मिश्र – मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
- अध्यापक पूर्ण सिंह – मजदूरी और प्रेम
- कुबेरनाथ राय – उत्तराफाल्गुनी के आस-पास
- विवेकी राय – उठ जाग मुसाफिर

- नामवर सिंह – संस्कृति और सौंदर्य

इकाई – 10 : आत्मकथा, जीवनी तथा अन्य गद्य विधाएं

- रामवृक्ष बेनीपुरी – माटी की मूरतें
- महादेवी वर्मा – ठकुरी बाबा
- तुलसीराम – मुर्दहिया
- शिवरानी देवी – प्रेमचन्द घर में
- मन्नू भंडारी – एक कहानी यह भी
- विष्णु प्रभाकर – आवारा मसीहा
- हरिवंशराय बच्चन – क्या भूलूँ क्या याद करूँ
- रमणिका गुप्ता – आपहुदरी
- हरिशंकर परसाई – भोलाराम का जीव
- कृष्ण चन्दर – जामुन का पेड़
- दिनकर – संस्कृति के चार अध्याय
- मुक्तिबोध – एक लेखक की डायरी
- राहुल सांकृत्यायन – मेरी तिब्बत यात्रा
- अज्ञेय – अरे यायावर रहेगा याद

Syllabus for the English Subject Listed under Serial Number 16 of the Table of Contents

Part – 1
English

Total Number of Questions: 15 **Total Marks: 30**

	Syllabus	Questions	Marks
1.	**Teaching Aptitude** • Teaching: Concept, Objectives, Levels of teaching (Memory, Understanding and Reflective), Characteristics and basic requirements. • Learner's characteristics: Characteristics of adolescent and adult learners (Academic, Social, Emotional and Cognitive), Individual differences. • Factors affecting teaching related to: Teacher, Learner, Support material, Instructional facilities, Learning environment and Institution. • Methods of teaching in Institutions of higher learning: Teacher centred vs. Learner centred methods; Off-line vs. On-line methods (Swayam, Swayamprabha, MOOCs etc.). • Teaching Support System: Traditional, Modern and ICT based. • Evaluation Systems: Elements and Types of evaluation, Evaluation in Choice Based Credit System in Higher education, Computer based testing, Innovations in evaluation systems.	**3**	**6**
2.	**Research Aptitude** • Research: Meaning, Types, and Characteristics, Positivism and Post-positivistic approach to research. • Methods of Research: Experimental, Descriptive, Historical, Qualitative and Quantitative methods. • Steps of Research. • Thesis and Article writing: Format and styles of referencing. • Application of ICT in research. • Research ethics.	**3**	**6**
3.	**Information and Communication Technology (ICT)** • ICT: General abbreviations and terminology. • Basics of Internet, Intranet, E-mail, Audio and Video-conferencing. • Digital initiatives in higher education. • ICT and Governance.	**3**	**6**
4.	**National Education Policy (NEP) 2020**	**3**	**6**
5.	**English Language Proficiency**	**3**	**6**

Part – 2
English

Total Number of Questions: 35 **Total Marks: 70**

Syllabus

Unit-1: Drama

Unit-2: Poetry

Unit-3: Fiction, short story

Unit-4: Non-Fictional Prose

NOTE: The first four units must also be tested through comprehension passages to assess critical reading, critical thinking and writing skills. These four units will cover all literatures in English.

Unit-5: Language: Basic concepts, theories and pedagogy. English in Use.

Unit-6: English in India: history, evolution and futures

Unit-7: Cultural Studies

Unit-8: Literary Criticism

Unit-9: Literary Theory post-World War II

Unit-10: Research Methods and Materials in English

Syllabus Prescribed for the Post of Assistant Director of Physical Education and Sports Listed at Serial No. 17 of the Contents

Part – 1

शारीरिक शिक्षा और खेलकूद सहायक निदेशक

Assistant Director of Physical Education and Sports

Total Number of Questions: 15 **Total Marks: 30**

	Syllabus	Questions	Marks
1.	**Teaching Aptitude** • Teaching: Concept, Objectives, Levels of teaching (Memory, Understanding and Reflective), Characteristics and basic requirements. • Learner's characteristics: Characteristics of adolescent and adult learners (Academic, Social, Emotional and Cognitive), Individual differences. • Factors affecting teaching related to: Teacher, Learner, Support material, Instructional facilities, Learning environment and Institution. • Methods of teaching in Institutions of higher learning: Teacher centred vs. Learner centred methods; Off-line vs. On-line methods (Swayam, Swayamprabha, MOOCs etc.). • Teaching Support System: Traditional, Modern and ICT based. • Evaluation Systems: Elements and Types of evaluation, Evaluation in Choice Based Credit System in Higher education, Computer based testing, Innovations in evaluation systems.	**3**	**6**
2.	**Research Aptitude** • Research: Meaning, Types, and Characteristics, Positivism and Post-positivistic approach to research. • Methods of Research: Experimental, Descriptive, Historical, Qualitative and Quantitative methods. • Steps of Research. • Thesis and Article writing: Format and styles of referencing. • Application of ICT in research. • Research ethics.	**3**	**6**
3.	**Information and Communication Technology (ICT)** • ICT: General abbreviations and terminology. • Basics of Internet, Intranet, E-mail, Audio and Video-conferencing. • Digital initiatives in higher education. • ICT and Governance.	**3**	**6**
4.	**National Education Policy (NEP) 2020**	**3**	**6**
5.	**General Knowledge of Languages** • Sanskrit • Hindi • English	**3**	**6**

Part – 2

शारीरिक शिक्षा और खेलकूद सहायक निदेशक

Assistant Director of Physical Education and Sports

Total Number of Questions: 35 **Total Marks: 70**

Syllabus – Physical Education & Sports

Unit -1:

Physical education and adapted physical education, their objectives Philosophies of education as applied to physical education

Development of Physical education in Greece, Rome, Sweden, Russia England, Denmark, Germany, USA, Australia and China.

Growth and development of physical education in India:

Recreation- its principles, characteristics and importance. Modern trends in recreation. Indoor and outdoor recreational programmes. Recreational programmes for various categories of people.

Wellness- its importance, benefits and challenges. Development and maintenance of wellness.

Teaching Aptitude – nature, objectives, characteristics of teaching, learner characteristics and teaching methods.

Social aspects of sports- sports as a socializing agency, social values, sports leadership, sports as cultural heritage and social aspects of competition.

Ancient & Modern Olympics games, Asian and Commonwealth games.

Structure and functions of international and national bodies controlling various games and sports, Prominent honours and awards in games and sports.

Unit -2:

Exercise physiology its scope and importance in the field of physical education and sports.

Cardio respiratory adaptations to long- and short-term physical activities.

Muscle- its types, characteristics and functions. Microscopic structure of muscle fibre. Sliding filament theory of muscular contraction. Types of muscle fibres and sports performance. Muscular adaptations to exercise.

Neuro-muscular junction and transmission of nerve impulse, kinesthetic Sense organs and neural control of motor skills.

Bio-chemical aspects of exercise – Metabolism of food products. Aerobic and anaerobic systems during rest and exercise. Direct and indirect methods of measuring energy cost of exercise.

Recovery process – Physiological aspects of fatigue. Restoration of energy stores. Recovery oxygen. Nutritional aspects of performance.

Environmental influence on human physiology under exercise.

Women in sports- trainability. Physiological gender differences and special problems of women athletes.

Aging – Physiological consequences, life style management and healthful aging. Physiological responses of various therapeutic modalities and rehabilitation.

Physiological aspects of various Ergogenic aids. Massage manipulations and their physiological responses.

Unit- 3:

Kinesiology and biomechanics. Modern trends in biomechanics. Planes and Axes of human body. Joints and their movements.

Muscle attachments – Origin, insertion, action and leverage of the principal muscles used in sports.

Motion: its laws and their application in sports. Projectile and principles of projections

Linear and angular kinematics and kinetics. Friction, Spin, impact and elasticity.

Air and water dynamics.

Mechanical advantage and applications of Levers in sports. Posture and its deformities with their corrective exercises.

Kinesiological, Muscular and mechanical analyses of fundamental movements: Mechanical analyses of major sports skills

Unit – 4:

Sports psychology- its importance in the field of physical education and sports. Motivation in sports- types, theories and dynamics.

Psychological factors affecting sports performance- Emotions, Anxiety aggression, stress ,self-confidence, concentration , mental practice and goal setting.

Personality- Theories of personality, measurement of personality.

Group dynamics, Group cohesion and leadership in sports.

Cognitive process- memory and thinking. Principles of Motor skill learning. Transfer of training and its types with its implication in sports.

Long- and short-term psychological preparation for performance/ competition. Psychological skill training for activation and relaxation

Spectators and sports performance.

Unit -5:

Development of teacher education for physical education in India. Comparative study of professional preparation in physical education of India with those of USA, Russia, Germany, Australia and UK.

Professional and other courses of physical education in India. Role of Government agencies monitoring professional courses in physical education.
Qualities, qualifications and responsibilities of physical education personnel at primary, secondary and higher education levels. Scope of physical education personnel in the promotion of health, fitness and wellness.
Recent Government policies for promoting physical education and sports in India.
Hierarchy of organizational set-up in physical education at schools, colleges and university level.
Role of public & private sectors in the promotion of physical education and sports in the country.
Curriculum development- Concepts and principles of curriculum planning. Subject matter for different levels of education – primary, secondary and higher education.
Curriculum design and content- importance, selection and classification of subject matter with reference to age, sex and differently abled pupils. Integrated programme for boys and girls.
Teaching aids – Time-table, Concepts, credit system for various subject courses-theory and practical, Impact of technology in physical education and sports,
Curriculum evaluation: Concepts and purpose; procedure and appraisal.

Unit -6:
Health- its objectives and spectrum. Health education, its importance and principles. Role of genetics and environment in achieving health. Health-related physical fitness.
Community health programme- Health appraisal & health instructions. International and national health promoting government & private agencies.
School Health programme and personal hygiene.
Communicable diseases: causes, symptoms, prevention through other means and Immunization.
Psychosomatic disorders/ sedentary life style diseases: causes, symptoms and prevention.
Obesity related health problems. Body weight control and its significance on health. Role of exercise, dieting and combination of exercise & dieting on weight control.
First-aid- objectives and principles. First-aid for Shock, poisoning, burns, drowning, bleeding, electric shock and common sports injuries.
Pollution- Air, water, sound and radiation. Effects of pollution on health, Preventive and safety measures from pollution.
Nutrition- Balanced diet and its components. Nutritional Deficiencies. Understanding of malnutrition and nutritional supplements.
Effects of smoking, alcohol, & drugs on health; prevention and rehabilitation.

Unit -7:
Sports training- its characteristics and principles. Training load, its features, principles and adaptation process. Means and methods of executing training load. Overload, its Causes, symptoms and remedial measures.
Strength- its characteristics, types of strength, factors determining strength and strength development.
Endurance- its characteristics, types of endurance, factors determining endurance and endurance development.
Speed- its characteristics, types of Speed, factors determining Speed and speed development.
Flexibility-its characteristics, types of flexibility, factors determining flexibility and flexibility development.
Coordinative abilities- its characteristics, types of coordinative abilities, factors determining coordinative abilities and development of coordinative abilities.
Technique and skill- its characteristics and importance. Different stages of technique development and technique training. Tactics and strategy.
Planning- its importance and principles. Types of planning.
Periodization- its importance, objectives and types of periodization. Concept of different periods – Preparatory, competition and transitional. Types of Competition:
Talent identification- process and procedure.

Unit -8:
Research in physical education- its importance and classification. Ethical issues in research.
Methods of research- Descriptive, historical and experimental. Experimental research designs.
Identification and formulation of research problem. Types of research hypotheses and their formulation. Hypotheses testing.
Tools of research- Questionnaires, opinionnaires, interviews and observation.
Sources and steps of literature search- library, research data bases, internet- search engines, online journals. Note taking and critical reading.
Sampling Techniques- Probability and non probability. Data, its types and collecting measures.
Normal probability curve and grading scales.
Statistical processes, their importance and uses in research.
Application of parametric and non parametric statistical techniques in research.
Computer applications- statistical packages for data analyses- SPSS, e-mail, search engines and Microsoft office.
Preparation of research proposal, report, abstract, paper for publication and paper for presentation.

Unit – 9:
Test, measurement and evaluation -their types and importance in physical education and sports. Principles and processes of evaluation in physical education.
Criteria of selecting an appropriate test and administration of testing programme.

Types of tests and construction of standard knowledge and skill tests.
Tests for fitness- Physical fitness, motor fitness, motor ability and motor educability. Health related fitness tests.
Test for fitness components- strength, endurance, speed, flexibility and coordinative abilities.
Sports skill tests- Badminton, Basketball, Football, Hockey, Tennis, and Volleyball.
Anthropometric Measurements- land marks and measurement of various body segments ,height, sitting-height, weight, diameters, circumferences, skinfolds, body mass index, ponderal index.
Somatotype and Posture evaluating techniques.
Testing of physiological phenomenons- Blood pressure, breathing frequency vital capacity, heart rate, pulse rate, body temperature and body composition.
Tests for psychological variables- Anxiety, aggression, team cohesion, achievement motivation, mental-toughness, and self-efficacy.

Unit – 10:

Management- its principles and theories. Scope of management in physical education and sports. Guiding principles for organizing physical education & sports programmes in institutions.
Personnel management- objectives and principles. Self-appraisal, communication skills and time management. Essential skills of administration.
Financial management- objectives, purposes, principles and scope. Planning and preparation of budget. Mechanics of purchase and auditing.
Supervision – objectives, principles and importance of supervision. Techniques of supervision. Duties and responsibilities of a supervisor.
Facility management- planning, procuring and maintenance of facilities- indoor and outdoor facilities. Planning and management of sports infrastructure. Management of records.
Role of sports manager- interpersonal, informational and decision making. Managerial skills – technical, human and conceptual. Qualities and qualification of sports manager.
Event management- its principles, planning, check list, rehearsal, itinerary, execution, reporting and follow-up procedures of an event.
Public relation- principles of public relations in physical education and sports. Mass Media- communication and publicity, qualifications of Public relation officer.

Syllabus Prescribed for the Post of Assistant Librarian
Listed at Serial No. 18 of the Contents

Part – 1

सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
Assistant Librarian

Total Number of Questions: 15 **Total Marks: 30**

	Syllabus Part- 1	Questions	Marks
1.	**Teaching Aptitude** • Teaching: Concept, Objectives, Levels of teaching (Memory, Understanding and Reflective), Characteristics and basic requirements. • Learner's characteristics: Characteristics of adolescent and adult learners (Academic, Social, Emotional and Cognitive), Individual differences. • Factors affecting teaching related to: Teacher, Learner, Support material, Instructional facilities, Learning environment and Institution. • Methods of teaching in Institutions of higher learning: Teacher centred vs. Learner centred methods; Off-line vs. On-line methods (Swayam, Swayamprabha, MOOCs etc.). • Teaching Support System: Traditional, Modern and ICT based. • Evaluation Systems: Elements and Types of evaluation, Evaluation in Choice Based Credit System in Higher education, Computer based testing, Innovations in evaluation systems.	**3**	**6**
2.	**Research Aptitude** • Research: Meaning, Types, and Characteristics, Positivism and Post-positivistic approach to research. • Methods of Research: Experimental, Descriptive, Historical, Qualitative and Quantitative methods. • Steps of Research. • Thesis and Article writing: Format and styles of referencing. • Application of ICT in research. • Research ethics.	**3**	**6**
3.	**Information and Communication Technology (ICT)** • ICT: General abbreviations and terminology. • Basics of Internet, Intranet, E-mail, Audio and Video-conferencing. • Digital initiatives in higher education. • ICT and Governance.	**3**	**6**
4.	**National Education Policy (NEP) 2020**	**3**	**6**
5.	**General Knowledge of Languages** • Sanskrit • Hindi • English	**3**	**6**

Part – 2

सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
Assistant Librarian

Total Number of Questions: 35 **Total Marks: 70**

Syllabus

Unit – 1 (A)

1. **Knowledge of Epigraphy and Manuscripts**

Unit – 1 (B)

1. Data, Information, Knowledge and Wisdom.
2. Information Life Cycle – Generation, Collection, Storage and Dissemination.
3. Role of Information in Planning, Management, Socio-economic, Cultural, Educational and Technological Development.
4. Information Science – Relationship with other subjects, Information Society and Knowledge Society.
5. Communication – Concept, Types, Theories, Models, Channels and Barriers; Trends in Scholarly Communication.
6. Information Industry – Generators, Providers and Intermediaries.
7. IPR and Legal Issues – Categories, Conventions, Treaties, Laws.
8. Plagiarism: Concept and Types.
9. Right to Information Act (RTI); Information Technology Act.
10. National Knowledge Commission; National Mission on Libraries.

Unit – 2

1. Historical Development of Libraries in India; Committees and Commissions on Libraries in India.
2. Types of Libraries – Academic, Public, Special and National.
3. Library Legislation and Library Acts in Indian States; The Press and Registration of Books Act; The Delivery of Books and Newspapers (Public Libraries) Act.
4. Laws of Library Science.
5. Library and Information Science Profession – Librarianship as a Profession, Professional Skills and Competences; Professional Ethics.
6. Professional Associations – National: ILA, IASLIC, IATLIS; International: IFLA, ALA, CILIP, ASLIB, SLA; Role of UGC, RRRLF and UNESCO in Promotion and Development of Libraries.
7. Library and Information Science Education in India.
8. Library Public Relations and Extension Activities.
9. Type of Users – User Studies, User Education.
10. Information Literacy – Areas, Standards, Types and Models; Trends in Information Literacy.

Unit – 3

1. Information Sources – Nature, Characteristics, Types and Formats.
2. Sources of Information – Primary, Secondary and Tertiary; Documentary and Non-Documentary.
3. Primary Information Sources (Print and Electronic) – Journals, Conference Proceedings, Patents, Standards, Theses & Dissertations, Trade Literature.
4. Secondary Information Sources (Print and Electronic) – Dictionaries, Encyclopedias, Bibliographies, Indexing & Abstracting, Statistical sources, Handbooks and Manuals.
5. Tertiary Information Sources (Print and Electronic) – Directories, Year Books, Almanacs.
6. Reference Sources – Bibliographical, Biographical, Educational, Language and Geographical.
7. Electronic Information Resources – Subject Gateways, Web Portals, Bulletin Boards, Discussion Forums /Groups.
8. Databases: Bibliographic, Numeric, Full text, Multimedia; Open Access Databases.
9. Institutional and Human Resources.
10. Evaluation of Reference Sources and Web Resources.

Unit – 4

1. Community Information Services.
2. Reference Service – Concept and Types; Referral Services.
3. Alerting Services – CAS, SDI, Inter Library Loan and Document Delivery.

4. Mobile based Library Services and Tools – Mobile OPAC, Mobile Databases, Mobile Library Website, Library Apps, Mobile Library Instructions, Augmented Reality, SMS Alerts, Geo-Location, Reference Enquiry.
5. Web 2.0 and 3.0 – Library 2.0: Concept, Characteristics, Components; Instant Messaging, RSS Feeds, Podcasts, Vodcasts, Ask a Librarian.
6. Collaborative Services – Social Networks, Academics Social Networks, Social Tagging, Social Bookmarking.
7. Web-Scale Discovery Services.
8. National Information Systems and Networks: NISCAIR, DESIDOC, SENDOC, ENVIS, INFLIBNET, DELNET, NICNET, ERNET, National Knowledge Network (NKN), Biotechnology Information System Network.
9. International Information Systems and Networks: INIS, AGRIS, INSPEC, MEDLARS, BIOSIS, ERIC, Patent Information System (PIS), Biotechnology Information System (BIS).
10. Library Resource Sharing and Library Consortia – National and International.

Unit – 5

1. Universe of Knowledge – Nature and Attributes; Modes of Formation of Subjects.
2. Knowledge Organisation – Classification Theories, Cannons, and Principles; Simple Knowledge Organisation System (SKOS), Taxonomies, Folksonomy, Trends in Classification.
3. Mapping of Subjects in Library Classification Schemes – DDC, UDC and CC.
4. Knowledge Organisation: Cataloguing – Cannons and Principles; Centralized and Co-operative Catalogue; Library Cataloguing Codes: CCC and AACR – II.
5. Standards of Bibliographic Record Formats and Description – ISBD, MARC 21, CCF, RDA, FRBR, Bibframe.
6. Standards for Bibliographic Information Interchange & Communication – ISO 2709, Z39.50, Z39.71.
7. Metadata Standards: Dublin Core; MARC21, METS, MODES, EAD.
8. Indexing Systems and Techniques: Assigned – Pre-coordinate; Post-Coordinate; Derived- Title-based; Vocabulary Control.
9. Abstracting – Types and Guidelines.
10. Information Retrieval System – Features, Components, Models and Evaluation.

Unit – 6

1. Management – Principles, Functions and Schools of thought.
2. Library and Information Centers Management – Book Selection Tools and Principles; Library Acquisition, Technical Processing, Circulation, Serial Control, Maintenance and Stock Verification; Preservation and Conservation; Hazards and Control Measures of Library Materials.
3. Human Resource Management – Planning, Job Analysis, Job Description, Job Evaluation, Selection, Recruitment, Motivation, Training and Development, Performance Appraisal; Staff Manual.
4. Financial Management in Libraries – Sources of Finance, Resource Mobilisation, Budgeting Methods; Cost Effective and Cost Benefit Analysis, Annual Reports & Statistics; Library Authority and Committee.
5. Project Management – SWOT, PEST, PERT/CPM.
6. Total Quality Management (TQM) – Concepts, Principles and Techniques, Six Sigma; Evaluation of Services of Libraries and Information Centers.
7. Library Building, Furniture and Equipments; Green Library Building; Information Commons; Makers Space; Security and Safety.
8. Management Information System (MIS), MBO, Change Management, Disaster Management, Crisis Management.
9. Knowledge Management – Principles, Tools, Components and Architecture.
10. Marketing of Library Products and Services – Plan, Research, Strategies, Mix, Segmentation, Pricing and Advertising; Management Consultancy.

Unit – 7

1. Computer Technology – Character Representation (ASCII, ISCII, Unicode); Computer Hardware, Software; Storage Devices; Input and Output Devices.
2. Types of Software – System Software, Application Software.
3. Programming Languages – Object Oriented, Procedural, High Level, Scripting; Web Languages.

4. Telecommunication – Transmission Channels, Mode, and Media, ISDN, PSDN, Multiplexing, Modulation, Standards and Protocols.
5. Wireless Communication – Media, Wi-fi, Li-fi, Satellite Communication, Mobile Communication.
6. Computer Networks – Topologies, Types of Networks – LAN, MAN, WAN.
7. Internet – Web browsers, WWW, E-mail; Search Engines, Meta and Entity Search engines.
8. Internet Protocols and Standards – HTTP, SHTTP, FTP, SMTP, TCP/IP, URI, URL.
9. Hypertext, Hypermedia, Multimedia, Video conferencing, Virtual Reality, Augmented Technologies.
10. Data Security, Network Security, Firewalls, Cryptographic Techniques, Anti-virus software, Anti-spyware, Intrusion Detection System.

Unit – 8

1. Library Automation – Areas, Planning, Selection of Hardware and Software, Implementation and Evaluation; Standards for Library Automation.
2. Barcode, RFID, QR Code, Biometric, Smartcard: Features and Applications.
3. Digitization – Planning, Selection of Materials, Hardware, Software, Process, Issues.
4. Digital Library: Genesis, Characteristics, Types, Architecture; Standards, Formats and Protocols, DOI.
5. Digital Preservation – Need, Purpose, Standards, Methods, Techniques, Projects (National and International).
6. Digital Library Initiatives – National and International.
7. Institutional Repositories – Need, Purpose, Types and Tools; Institutional Repositories in India; ROAR, DOAR, SHARPA-ROMIO.
8. Content Management Systems – Architecture, Data Integration, CMS Software Selection, Implementation and Evaluation.
9. Application of Artificial Intelligence, Expert Systems and Robotics in Libraries; Social Mobile Analytics Cloud (SMAC); Cloud Computing.
10. Ontology – Tools (RDF, RDFS, I); Semantic Web, Linked Data, Big Data, Data Mining, Data Harvesting.

Unit – 9

1. Research – Concept, Purpose, Functions, Scope and Ethics; Types of Research – Basic and Applied, Interdisciplinary and Multidisciplinary.
2. Research Methods: Historical, Descriptive, Experimental and Delphi.
3. Research Design – Selection of Research Problem, Review of Literature; Formulation of Research Problem; Hypothesis Formulation, Types and Testing; Sampling Techniques.
4. Methods of Data Collection: Questionnaire, Interview, Observation, Library Records, Scales and Checklist.
5. Data Analysis and Interpretation – Presentation of Data; Statistical Methods/ Techniques.
6. Statistical Packages – Spreadsheet, SPSS, Bibexcel, 'R' Statistics.
7. Research Report Writing and Citation Tools – Structure, Style, Contents, Guidelines; Style Manuals; Online Citation Tools; Reference Style Management Tools; Anti-plagiarism Tools; Evaluation of Research Report.
8. Metric Studies in LIS – Bibliometrics, Scientometric, Webometrics, Altmetrics.
9. Impact Factors – Journal, Institutional and Authors; h-Index, g-Index, i10 Index.
10. Trends in Library and Information Science Research.

Unit – 10

1. Academic Library and Information System.
2. Public Library and Information System.
3. Special Library and Information System.
4. Health Science Library and Information System.
5. Corporate Library and Information System.
6. Agricultural Library and Information System.
7. Engineering and Technological Library and Information System.
8. Archive, Museums and Oriental Libraries.
9. Community Information System.
10. Information Services and System for Persons with Disability, Children and Women.

***